



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 19, 2015/माघ 30, 1936

No. 46]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 19, 2015/MAGHA 30, 1936

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 2015

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण., यूरोपीय यूनियन और यूएसए में उत्पादित अथवा निर्यातित मोरफोलीन के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच की मध्यावधि समीक्षा (एमटीआर)।

सं. 15/5/2013 - डीजीएडी.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है (इसके बाद अधिनियम के रूप में भी संदर्भित) तथा समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन एवं संकलन तथा हानि का निर्धारण हेतु) नियमावली 1995 (इसके बाद नियमावली के रूप में भी संदर्भित) के संबंध में।

क. मामले की पृष्ठभूमि

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके बाद प्राधिकारी के रूप में भी संदर्भित) ने दिनांक 5 दिसंबर, 2011 की अधिसूचना संख्या 14/41/2010—डीजीएडी के माध्यम से अपने अंतिम जांच परिणाम को अधिसूचित किया है और चीन जन. गण., यूरोपीय यूनियन और यूएसए (इसके बाद संबद्ध देशों के रूप में भी संदर्भित) में उत्पादित अथवा निर्यातित मोरफोलीन (इसके बाद संबद्ध वस्तुओं के रूप में भी संदर्भित) के आयात पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है और निश्चित पाटनरोधी शुल्क केंद्र सरकार द्वारा दिनांक 24 जनवरी, 2012 की अधिसूचना संख्या 10/2012 - सीमा शुल्क के तहत लगाया गया था।
- मैसर्स नोसिल लिमि. ने सीमा शुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन एवं संकलन तथा हानि का निर्धारण हेतु) नियमावली 1995 के नियम 23 के साथ पठित सीमा शुल्क अधिनियम 1975 की धारा 9ए के अनुरूप संबद्ध देशों में उत्पादित अथवा निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयात पर लगाये गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा शुरू करने के लिए अनुरोध करते हुए एक आवेदन दिया है। उन्होंने दावा किया है कि परिस्थितियां जो मूल जांच की जांच अवधि के दौरान मौजूद थीं, अब काफी बदल गई हैं, जिससे ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जहां मौजूदा पाटनरोधी शुल्क अब आवश्यक नहीं है।

ख. प्रारंभिक जांच

4. इस अधिनियम की धारा 9ए के साथ पठित नियमावली के नियम 23 में यह आवश्यक है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी पाटनरोधी शुल्क, जहां भी आवश्यक हो, को अपनी स्वयं की पहल पर अथवा किसी हितकर पक्ष जो ऐसी समीक्षा की आवश्यकता को सिद्ध करने के लिए सकारात्मक सूचना देता है और निश्चित पाटनरोधी शुल्क के लगाये जाने के बाद उचित समय अवधि बीत चुकी है, लगातार लगाये जाने की आवश्यकता की समीक्षा करेगा और ऐसी समीक्षा के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी केंद्र सरकार को इसे वापिस लेने की सिफारिश इस निष्कर्ष पर पहुंचने के बाद करेगा कि यदि उक्त पाटनरोधी शुल्क हटा लिया जाता है अथवा इसमें बदलाव किया जाता है तो घरेलू उद्योग को हानि होने की कोई संभावना नहीं है अथवा पुनः हानि होने की संभावना नहीं है इसलिए अब इसकी कोई आवश्यकता नहीं है।
5. ऐसी समीक्षा की आवश्यकता को सिद्ध करते हुए तथा बदलती हुई परिस्थितियों को दर्शाते हुए जिससे लागू उपाय की समीक्षा करना आवश्यक हो, आवेदक द्वारा प्रदान की गई सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र असाधारण के भाग-1 खंड 1 में प्रकाशित दिनांक 5 दिसंबर, 2011 के अधिसूचना संख्या 14/41/2010 – डीजीएडी के माध्यम से अधिसूचित अंतिम जांच परिणाम की संबद्ध मध्यावधि समीक्षा (एमटीआर) शुरू की है और पाटनरोधी शुल्कों को लगातार लगाये जाने की आवश्यकता की समीक्षा करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा दिनांक 24 जनवरी, 2012 की अधिसूचना संख्या 10/2012 – सीमा शुल्क के माध्यम से निश्चित शुल्क लगाया गया है।

ग. प्रक्रिया

6. नीचे उल्लिखित प्रक्रिया का पालन प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच के संबंध में किया गया है :
- प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उत्पादक को दिनांक 18 सितंबर, 2013 को प्रारंभिक जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजीं। ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण से अवगत करायें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र एवं प्रश्नावलियों की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की एक सूची के साथ-साथ संबद्ध देशों के दूतावासों को भी इस अनुरोध के साथ भेजी गई थी कि वे निर्धारित समय के भीतर संबद्ध देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को उत्तर देने की सलाह दें।
 - आवेदक की ओर से प्रस्तुत किए गए आवेदन के अगोपनीय पाठ की प्रति पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुरूप ज्ञात निर्यातकों, घरेलू उत्पादकों तथा संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध करायी गयी थी।
 - प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को मध्यावधि समीक्षा शुरू करने के संबंध में सार्वजनिक सूचना की प्रतियां अग्रेषित की तथा उन्हें नियमावली 6(2) एवं 6(4) के अनुरूप पत्र की तिथि से 40 दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने दृष्टिकोण से अवगत कराने के लिए उन्हें अवसर दिया:
 - क) मैसर्स हुनत्समन कारपोरेशन यूके लिमि. ललानेली प्लांट, बिनेलेलानेली, कारमारथेनशिरे सा 149 टे, यूके
 - ख) मैसर्स बीएसएसएफ एसई, 67056 लूडविगशफेन, जर्मनी
 - ग) मैसर्स हुनत्समन कारपोरेशन, 10003 वूडलूच फोरेस्ट ड्राइव, द वूडलैंड, टीएक्स 77380, यूएसए
 - घ) मैसर्स, बीएसएसएफ कारपोरेशन, जेसमर साइट 8404 रिवर रोड, जेसमर, ला- 70734, लाउसियना, यूएसए
 - ङ) मैसर्स अनहूयी होयूंग केमिकल ग्रुप कं. लिमि., नं. 1 फूकांग रोड, फूयांग अनहूइ, चीन जन. गण.
 - च) मैसर्स पूयांग विल्लिंग केमिकल्स क. लिमि. इंडस्ट्रीयल एंड कॉमर्शियल न्यूजॉन, पूयांग, हेनन, चीन जन. गण.
 - छ) मैसर्स टियनयूफार्मा क. लिमि. बिल्डिंग 4-1-501, जीयल्व बेयूअन हेंगजोउ, चीन जन. गण.
 - संबद्ध जांच को आरंभ करने के उत्तर में, चीन जन. गण. से केवल निम्नलिखित उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर देते हुए इसका जवाब भेजा है :
 - क) मैसर्स अनहूयी होयूंग केमिकल ग्रुप कं. लिमि., नं. 1 फूकांग रोड, फूयांग अनहूइ, चीन जन. गण.
 - पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुरूप आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी:
 - क) उर्मि केमिकल्स, महाराष्ट्र
 - ख) कांतिलाल मनिलाल एंड क., महाराष्ट्र
 - ग) साजन इण्डिया लिमि., महाराष्ट्र
 - घ) आरचिड केमिकल्स एंड फार्मेटिकल्स, चैन्नई
 - ङ) थर्मैक्स लिमि., महाराष्ट्र
 - च) बीएसएसएफ इंडिया लिमि., महाराष्ट्र
 - छ) एनओसीआईएल लिमि., महाराष्ट्र
 - ज) हरमन फिनोकेम लिमि. महाराष्ट्र
 - झ) एमजेइवाई केमिकल्स, महाराष्ट्र
 - ञ) बनवारीलाल झनवार एंड सन्स, महाराष्ट्र
 - ट) ख्याति केमिकल्स प्रा. लिमि., गुजरात
 - ठ) हिन्दुस्तान स्पेसियल्टी केमिकल्स, महाराष्ट्र

ड)	पारामाउंट मिनरल केमिकल्स, महाराष्ट्र
ढ)	लियो केमोप्लास्ट प्रा. लिमि., महाराष्ट्र
ण)	डायमंड डिय—केम लिमि., महाराष्ट्र
त)	शक्ति केमिकल्स, महाराष्ट्र
थ)	सी जे शाह एंड क., महाराष्ट्र
द)	संजय केमिल्स (इंडिया) प्रा. लिमि., महाराष्ट्र
ध)	अल्फा केमिकल्स कारपोरेशन, महाराष्ट्र
न)	बिलग इंडस्ट्रीज लिमि., महाराष्ट्र
प)	मेरकेम लिमि., केरल
फ)	इनडोको रेमेडिज लिमि., महाराष्ट्र
ब)	उनिमार्क रेमेडिज लिमि., महाराष्ट्र
भ)	सिप्ला लिमिटेड, महाराष्ट्र
म)	लूपिन लिमि., महाराष्ट्र
य)	क्लारियंट केमिकल्स (इंडिया) लिमि., महाराष्ट्र
र)	क्लारियंट केमिकल्स (इंडिया) लिमि., चैन्नई
ल)	आईओएन एक्सचेंज (इंडिया), आंध्र प्रदेश
व)	आरती इंडस्ट्रीज लिमि., महाराष्ट्र
श)	आरएमसी रबर केमिल्स इंडिया प्रा. लिमि., तमिलनाडू
ष)	लोपटी लेबोरेटरीज प्रो. लिमि., आंध्र प्रदेश
स)	अरबिंदो फार्मा लिमि., आंध्र प्रदेश
ह)	हेटेरो ड्रग्स लिमि., आंध्र प्रदेश
क्ष)	सूर्या फार्मासिटिकल्स लिमि., चण्डीगढ़
त्र)	गेल इण्डिया लिमि., दिल्ली
ज्ञ)	श्री कृष्णा ड्रग्स लिमि., आंध्र प्रदेश
कक)	लापफाने पेट्रोकेमिकल्स लिमि., महाराष्ट्र
खख)	रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमि., महाराष्ट्र
गग)	बजाज हिन्दुस्तान लिमि., उत्तर प्रदेश
घघ)	विरचोव लेबोरेटरीज लिमि., आंध्र प्रदेश
ङङ)	एसएमएस फार्मासिटिकल्स लिमि., आंध्र प्रदेश
चच)	पंचशील ऑर्गेनिक लिमि., मध्य प्रदेश
छछ)	एमिनिज एंड प्लास्टिजर्स लिमि., महाराष्ट्र
जज)	धानुका लेबोरेटरीज लिमि., हरियाणा
झझ)	द वेक्सपोल इंडस्ट्रीज लिमि., झारखण्ड
ञञ)	आईओसीएल मथुरा, उत्तर प्रदेश
टट)	जयपुर साइंटिफिक्स एंड केमिकल्स, उत्तर प्रदेश
ठठ)	एवन आरगेनिक्स लिमि., आंध्र प्रदेश
डड)	सूर्या फार्मासिटिकल्स लिमि., पंजाब
ढढ)	विसवात केमिकल्स लिमि., महाराष्ट्र

- vi. उपर्युक्त अधिसूचना के जवाब में, केवल नोसिल लिमि. जो वर्तमान एमटीआर जांच में आवेदक भी है, ने आयातक की प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।
- vii. भारत में मैसर्स बालाजी अमाइंस लिमि., सोलापुर, महाराष्ट्र, संबद्ध वस्तुओं का ज्ञात घरेलू उत्पादक तथा मूल जांच में घरेलू उद्योग को आवश्यक सूचना एवं उत्तर के लिए भेजे गए थे, बालाजी अमाइंस लिमि., संबंध वस्तुओं का घरेलू उत्पादक जो संबद्ध जांच में घरेलू उद्योग के रूप में है, ने हानि संबंधी सूचना/ आंकड़ों के साथ-साथ उत्तर/ अनुरोध दायर किया है।
- viii. निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने प्राधिकारी को जवाब नहीं दिया है और न ही इस जांच से संबंधित सूचना प्रस्तुत की है, को असहयोगी हितबद्ध पक्षकारों के रूप में माना गया है।
- ix. पिछले तीन वर्षों जिसमें जांच की अवधि शामिल है, के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के व्यौरों का प्रबंधन करने के लिए वाणिज्यिक सूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) को अनुरोध किया गया था, जो प्राधिकारी को प्राप्त हो

गया था। आवेदक ने आईबीआईएस आंकड़ों के आधार पर आयात से संबंधित सूचना प्रदान की (गौण स्रोत)। हालांकि प्राधिकारी ने आयात की मात्रा की गणना तथा अपेक्षित विश्लेषण के लिए डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों पर विश्वास किया है।

- x. सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की आदर्शतम लागत तथा उन वस्तुओं को बनाने और बेचने की लागत निर्धारित की गई थी ताकि इस बात का परीक्षण किया जा सके कि यदि पाटन मार्जिन की तुलना में पाटनरोधी शुल्क कम है तो घरेलू उद्योग को हानि दूर करने के लिए यह पर्याप्त होगा। एनआईपी को प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अंतर्गत निर्धारित सिद्धांतों के संबंध में निर्धारित किया गया है।
- xi. जांच 1 अप्रैल, 2012 से शुरू होकर 31 मार्च, 2013 (पीओआई) तक की अवधि के लिए की गई थी। हालांकि हानि की जांच 2009 – 2010, 2010 – 2011, 2011 – 2012 की अवधि तथा पीओआई के लिए की गई थी। प्राधिकारी ने संभावनाओं का विश्लेषण करने के लिए पीओआई पश्चात् अवधि के लिए (1 अप्रैल 2013 – 30 सितंबर 2013) हितबद्ध पक्षकारों से संबंधित सूचना/ आंकड़े भी मंगाये।
- xii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार इस प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 30 जून, 2014 को आयोजित आम सुनवाई में अपना दृष्टिकोण मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया। पक्षकारों जिन्होंने अपने दृष्टिकोण मौखिक सुनवाई में प्रस्तुत किए, से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए दृष्टिकोण को लिखित अनुरोध के रूप में और तत्पश्चात् पुनःलिखित अनुरोध प्रस्तुत करें।
- xiii. जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार प्राधिकारी द्वारा अपने अंतिम जांच परिणाम में जहां भी उन्हें संगत पाया गया, किया गया है। जिस सीमा तक सत्यापन को आवश्यक समझा गया था उसे घरेलू उद्योग द्वारा तथा सहयोग करने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए सूचना एवं आंकड़ों के संबंध में किया गया था।
- xiv. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में दी गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और ऐसी सूचना अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं दी गई है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त और गोपनीय पाठ प्रदान करें।
- xv. जहां भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसी सूचना देने से इनकार किया है अथवा अन्य प्रकार से वर्तमान जांच के समय के दौरान आवश्यक सूचना नहीं प्रदान की है अथवा जांच में पर्याप्त रूप से बाधा पहुंचाई है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी के रूप में माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अंतिम निष्कर्ष दर्ज किया है।
- xvi. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुरूप, प्राधिकारी द्वारा 4 दिसंबर, 2014 को जारी प्रकटन वक्तव्य के माध्यम से ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को आवश्यक तथ्यों की जानकारी दी गई और उसके संबंध में प्राप्त टिप्पणियों को प्राधिकारी द्वारा संगत माने जाने की सीमा तक इस निष्कर्ष में विचार किया गया है।
- xvii. ***गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सूचना और नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा ऐसा माने जाने को इंगित करता है।
- xviii. राजस्व विभाग ने दिनांक 22.09.2014 के अपने पत्र संख्या 354/239/2011 – टीआरयू (भाग-1) के माध्यम से जांच पूरी करने तथा 17.03.2015 तक अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित करने के लिए समय सीमा बढ़ायी है।
- xix. अमरीकी डॉलर से रुपये में बदलने के लिए विनिमय दर पर विचार पीओआई के लिए माह दर माह सीमा शुल्क अधिसूचना के अनुसार 54.65 रुपये के रूप में किया गया है।

घ. विचाराधीन उत्पाद और घरेलू समान वस्तु का क्षेत्र

7. वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच ने विचाराधीन उत्पाद, जैसा कि मूल जांच में है, चीन जन. गण. यूरोपीय यूनियन और यूएसए में उत्पादित अथवा वहां से निर्यातित मोरफोलिन है। अतः उत्पाद क्षेत्र वही है जिसे मूल जांच में परिभाषित किया गया है।
8. मोरफोलिन एक अत्यंत विविध रसायनिक पदार्थ है और इसका उपयोग रबड़ उद्योग में एक रसायनिक मध्यवर्ती, कोरोजन नियंत्रण और अनेक प्रकार की दवाओं के संयोजन में किया जाता है। इसका उपयोग फसल की सुरक्षा के एजेंट, रंगाई और चर्मों को साफ करने के लिए भी किया जाता है। मोरफोलिन अनेक प्रकार के आरगेनिक सामग्रियों के लिए सॉल्वेंट है, जिसमें रेसिन रंजन और मोम शामिल हैं। इसका उपयोग उत्प्रेरक के रूप में भी किया जा सकता है। मोरफोलिन का उपयोग टॉयलेट में भी किया जाता है और इसका उपयोग 5 प्रतिशत तक प्रमुख सफेदणों पर कॉस्मेटिक उत्पाद के रूप में किया जाता है (कॉस्मेटिक के तत्व)। इसका उपयोग अनेक प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष खाद्य वर्धक उपयोगों में भी किया जा सकता है। मोरफोलिन का उपयोग रबड़ एक्सेलेटर के मध्यवर्ती के रूप में तथा स्टीम बॉयलर

प्रणालियों में जंग रोकने वाले पदार्थ के रूप में किया जाता है। इसका उपयोग डेटरजेंट के निर्माण में ऑप्टिक ब्राइटर् के रूप में किया जाता है। मोरफोलीन के अवयवों का उपयोग रबड़, वेलकेनाइजेशन, स्थिरीकरण और विशिष्ट उच्च गति के टायरों के निर्माण में किया जाता है। मोरफोलीन को रबड़ के प्रसंस्करण के दौरान रिलीज किया जा सकता है। मोरफोलीन में जल जैसी ही गतिशीलता है। मोरफोलीन के अवयवों जैसे नीमैथाइलोमोरफोलीन और नेथिलमोरफोलीन का उपयोग पोलियूरेथेन फोमो के उत्पादन के लिए उत्प्रेरक के रूप में किया जाता है। मोरफोलीन अवयवों का उपयोग दंत चिकित्सा में अनॉलजेसिक और स्थानीय एनेथेटिक्स, एंटीबायोटिक्स, एंटीमायोकोटिक्स और प्लेक नियंत्रण के लिए भी किया जाता है। मोरफोलीन का उपयोग अनेक प्रकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष खाद्यवर्धक उपयोगों में किया जाता है। यह उत्पाद सीमा शुल्क वर्गीकरण 29333917 के अंतर्गत आता है तथापि सीमा शुल्क का वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी प्रकार से वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

9. कोई भी हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तुओं के संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है।

ख. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं स्थान

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग की परिभाषा नीचे दिये गए अनुसार है —

(2) (ख) “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ केवल शेष उत्पादकों के उल्लेख के रूप में निकाला जाएगा।”

11. मूल जांच के दौरान मैसर्स बालाजी अमाइंस लिमि. को इस केस में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक पाया गया था और यह घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है। वर्तमान जांच की पीओआई के दौरान स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और इसके विपरीत किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई अनुरोध नहीं किया गया है। उक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी करते हैं कि मैसर्स बालाजी अमाइंस लिमि. नियम 2 (ख) के अर्थ के भीतर वर्तमान एमटीआर जांच में घरेलू उद्योग है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 (3) के संबंध में स्थान के मानदंड को पूरा करता है।

च. गोपनीयता

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

12. उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा उसे निम्नलिखित प्रकार से संगत माना गया है :

- घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है
- सभी मात्रा मानदंडों को घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय रखा गया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

13. घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीयता के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा उसे निम्नलिखित प्रकार से संगत माना गया है :

- आवेदक ने घरेलू उद्योग को कोई सार्थक टिप्पणी देने से रोकते हुए सूचना संबंधी अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- किसी सूचना को गोपनीय माने जाने के लिए कोई उचित कारण नहीं दिया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

14. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीयता के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा उसे संगत मानने की जांच एवं उसका समाधान निम्नलिखित प्रकार से किया गया है :

- पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में सूचना गोपनीयता के संबंध में किया गया प्रावधान निम्नलिखित है :

गोपनीय सूचना : (1) उपनियमों और नियम 6 के (7), नियम 12 के उप नियम (2), (3) और (2), नियम 15 के उप नियम (4) और नियम 17 के उप नियम (4) में किसी बात के होते हुए भी नियम (5) के उप नियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियों अथवा निर्दिष्ट प्राधिकारी को जांच के दौरान किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त किसी अन्य सूचना को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट होने के बाद उसके द्वारा गोपनीय माना जाएगा और ऐसी किसी सूचना का प्रकटन ऐसी सूचना प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को नहीं किया जाएगा।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रदाता पक्षकार की राय में ऐसी सूचना का सारांश संदिग्ध नहीं है तो ऐसा पक्षकार ऐसे कारणों का एक विवरण निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत कर सकता है कि सारांशीकरण क्यों संभव नहीं है।

(3) उपनियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है या सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने अथवा सामान्यीकृत रूप में या सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

- ii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गयी थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और इसे अन्य हितबद्ध पक्षकार के समक्ष प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीयता आधार पर दायर की गयी सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ प्रदान करने का निर्देश दिया गया था। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया।

छ. विविध अनुरोध

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

15. उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया विविध अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा उन्हें निम्न प्रकार से संगत माना गया है :

- i. घरेलू उद्योग ने यथानिर्धारित पूर्ण सूचना प्रस्तुत नहीं की है और केवल चुनिंदा सूचना प्रस्तुत की है।
- ii. यह गलत अनुरोध है कि याचिकाकर्ता ने आयातक के प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

16. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया विविध अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा उन्हें निम्न प्रकार से संगत माना गया है :

- i. वर्तमान जांच समय से पूर्व शुरू की गई है और वह भी अपुष्ट याचिका के आधार पर।
- ii. मध्यावधि समीक्षा में निर्दिष्ट प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वह इस बात पर विचार करे और इसे निर्धारित करे कि क्या समयपूर्व चरण में पाटनरोधी शुल्क को वापस लेने के लिए पर्याप्त औचित्य है। हालांकि याचिका में ऐसी समीक्षा की आवश्यकता को सिद्ध करने के लिए कोई सकारात्मक सूचना नहीं है और याचिकाकर्ता ने केवल स्व-कथनों और सुविधा की तुलना पर विश्वास बदलती हुई परिस्थिति को सामने लाने के लिए किया है।
- iii. वर्तमान एमटीआर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा रिषिरूप पोलीमर्स प्रा. लिमि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में एमटीआर के संबंध में किए गए नियम 23 की व्याख्या का उल्लंघन है, जिसमें माननीय उच्चतम न्यायालय ने अन्य बातों के साथ-साथ पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के प्रावधानों की व्याख्या इस रूप में की है "संवैधि के उपर उल्लिखित प्रावधानों की योजना के संबंध में, जैसे ही पाटनरोधी शुल्क प्रारंभ में शुरू किया गया है, इसे जब तक कि समीक्षोपरांत निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह नहीं पाया गया है कि परिस्थितियों और तथ्यों में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, को सामान्यतः 5 वर्षों के लिए जारी रखा जायेगा और यह कि पाटनरोधी शुल्क जिसे लगाया गया है, उसे या तो वापस लेने अथवा उपयुक्त रूप से संशोधित करने को आवश्यक समझा गया है, स्पष्ट करता है कि जब तक निर्दिष्ट प्राधिकारी स्वयंसेव अथवा समीक्षा के लिए आवेदक स्पष्ट रूप से इस बात को सिद्ध करने की स्थिति में नहीं हो कि शुल्क लगाने के पूर्व की मूलभूत आवश्यकताओं अथवा शर्तों में से किसी एक के संबंध में तथ्यों और परिस्थितियों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी शुल्क आरंभ में लगाये जाने के समय दिये गए निष्कर्ष पर विचार इसे लागू रखने के लिए अवश्यक किया जाये" (बल दिया गया)। वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता तथ्यों और परिस्थितियों में ऐसे महत्वपूर्ण बदलाव को अभिलेख पर लाने में असफल रहा है कि यह आवश्यक समझा गया कि पाटनरोधी शुल्क जिसे लगाया गया है, को वापस लेने अथवा उसमें उपयुक्त रूप से संशोधन करना आवश्यक समझा गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

17. पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 में निम्नानुसार उल्लेख है :

“(1) अधिनियम की धारा 9ए के उपबंध के अंतर्गत लगाया गया कोई पाटनरोधी शुल्क क्षति पहुंचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए उस अवधि तक और उस सीमा तक लागू रहेगा।

(1क) निर्दिष्ट प्राधिकारी जहां अपेक्षित हो, अपनी खुद की पहल पर या ऐसे किसी हितबद्ध पक्षकार के अनुरोध पर जो ऐसी समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करता है और निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद उचित समयावधि बीत जाती है, किसी पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लागू रखने की जरूरत की समीक्षा करेंगे और ऐसी समीक्षा के उपरांत निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में उसकी समाप्ति हेतु केन्द्र सरकार को सिफारिश करेंगे जहां वह इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि यदि पाटनरोधी शुल्क समाप्त या परिवर्तित कर दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है और इसलिए अब इसकी जरूरत नहीं है।

(1 ख) उप नियम (1) या (1क) में किसी बात के होते हुए भी अधिनियम के अंतर्गत लगाया गया कोई निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क उसके लगाए जाने की तारीख से 5 वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगा बशर्ते निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त अवधि से पूर्व अपनी खुद की पहल पर या घरेलू

उद्योग की ओर से किए गए विधिवत पुष्टिकृत अनुरोध के आधार पर उक्त अवधि समाप्त होने से पूर्व उचित अवधि के भीतर इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं। कि उक्त शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

(2) उप-नियम (1) के अंतर्गत शुरु की गई कोई समीक्षा ऐसी समीक्षा की शुरुआत की तारीख से 12 माह से अधिक अवधि के भीतर संपन्न की जाएगी।

(3) नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 तथा 20 के उपबंध समीक्षा के मामले में आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

18. करार के अनुच्छेद 11.2 में यह प्रावधान है कि प्राधिकारी जहां अपेक्षित हो, अपनी खुद की पहल पर या ऐसे किसी हितबद्ध पक्षकार के अनुरोध पर जो ऐसी समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करता है और निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद उचित समयावधि बीत जाती है, किसी पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लागू रखने की जरूरत की समीक्षा करेंगे। हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी से इस बात का परीक्षण करने के लिए अनुरोध करने का अधिकार होगा कि शुल्क को लगतार जारी रखना पाटन के घाटे को पूरा करने के लिए आवश्यक है, कि यदि शुल्क को हटा दिया जाता है अथवा उसमें बदलाव लाया जाता है अथवा दोनों किया जाता है तो हानि संभावित रूप से जारी रहेगी। यदि इस पैराग्राफ के अंतर्गत समीक्षा के परिणाम के रूप में, प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क की अब आवश्यकता नहीं है, इसे तत्काल समाप्त किया जायेगा। आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इस बात का विरोध किया है कि मध्यावधि समीक्षा में मूल समीक्षा के दौरान मौजूद किसी परिस्थिति में परिवर्तन मध्यावधि समीक्षा करने की आवश्यकता के लिए पर्याप्त है।
19. दूसरी ओर घरेलू उद्योग में इस बात का विरोध किया कि यदि आवेदक स्पष्ट रूप से इस बात को सिद्ध करने की स्थिति में है कि शुल्क लगाने के पूर्व की मूलभूत आवश्यकताओं अथवा शर्तों में से किसी एक के संबंध में तथ्यों और परिस्थितियों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी शुल्क आरंभ में लगाये जाने के समय दिये गए निष्कर्ष पर विचार इसे लागू रखने के लिए आवश्यक किया जाये और शुल्क को जारी न रखना नियम 23 के सिद्धांतों के प्रतिकूल है। इसके अलावा मध्यावधि समीक्षा में केवल वर्तमान कार्य निष्पादन इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए अपर्याप्त होगा कि पाटनरोधी शुल्क को इस चरण में वापस लिया जा सकता है और प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित होगा कि वह पाटनरोधी शुल्क वापस लिये जाने पर संभावित स्थिति पर विचार करे।
20. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा उठाये गए मुद्दों की जांच की है और यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 में प्राधिकारी से यह अपेक्षा है कि वह अन्य बातों के साथ-साथ किसी हितबद्ध पक्षकार जो निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के समय से उचित अवधि बीत जाने के बाद ऐसी समीक्षा की आवश्यकता को सिद्ध करते हुए सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करता है, द्वारा किए गए अनुरोध पर पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लगाये रखने की आवश्यकता की समीक्षा करे और ऐसी समीक्षा के उपरांत प्राधिकारी केंद्र सरकार को इसके वापस लेने की सिफारिश करेगा जब वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि यदि उक्त पाटनरोधी शुल्क को हटा लिया जाता है अथवा उसमें बदलाव लाया जाता है तो घरेलू उद्योग को किसी प्रकार की हानि होने की संभावना नहीं है और इस कारण से अब यह अपेक्षित नहीं है।
21. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाये गए विभिन्न अन्य विविध मुद्दों और उन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत माने जाने की जांच निम्नलिखित प्रकार से की गई है :
 - i. जहां तक इस अनुरोध है प्रश्न है कि घरेलू उद्योग ने यथानिर्धारित पूर्ण सूचना नहीं प्रस्तुत की है और केवल चुनिंदा सूचना प्रदान की है, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने निर्धारित प्रपत्रों के अनुसार हानि का निर्धारण करने के लिए अपेक्षित सूचना प्रदान की है, जिसका आवश्यक सीमा तक सत्यापन प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच के प्रयोजन से किया गया है।
 - ii. इस अनुरोध के संबंध में कि यह एक गलत अनुरोध है कि याचिकाकर्ता ने आयातक के प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने आयातक के प्रश्नावली का उत्तर दिया है।
 - iii. इस विरोध के संबंध में कि वर्तमान जांच समय से पूर्व शुरु की गई और वह भी अपुष्ट याचिका के आधार पर, यह भी नोट किया जाता है वर्तमान एमटीआर पर्याप्त समय बीत जाने के बाद तथा संगत नियम के प्रावधानों के अनुसार समीक्षा शुरु करने के लिए प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्यों को देखते हुए शुरु की गई है।
 - iv. इस विरोध के संबंध में कि इस जांच को शुरु करने का औचित्य सिद्ध करने के लिए दायर आवेदन में सकारात्मक साक्ष्य का अभाव है, यह नोट किया जाता है कि इस जांच को शुरु करने के लिए पर्याप्त औचित्य था। लिखित आवेदन जो प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित रूप में तथा तरीके से था, के प्राप्त होने पर जांच की शुरु की गई थी और मध्यावधि समीक्षा की आवश्यकता को सिद्ध करने के लिए संगत और आवश्यक साक्ष्य संलग्न थे।
 - v. इस अनुरोध के संबंध में कि वर्तमान एमटीआर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा रिषिरूप पोलीमर्स प्रा. लिमि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी में नियम 23 की व्याख्या का उल्लंघन है, यह नोट किया गया है कि वर्तमान अंतिम निष्कर्ष के तथ्य इस संबंध में स्व-स्पष्ट हैं।

ज. बाजार अर्थव्यवस्था का वर्ताव, सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन. गण. को भारत तथा अन्य डब्ल्यूटीओ देशों द्वारा पाटनरोधी जांच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। चीन जन. गण. को नियमावली के संबंध में निर्यातक देश अथवा निर्यातक विशिष्ट द्वारा इस अनुमान का खंडन करने के अध्यक्षीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। इसके अलावा चीन जन. गण. को संबद्ध वस्तुओं के संबंध में मूल पाटनरोधी जांच में एनएमई स्थितियों के अंतर्गत प्रचालक के रूप में माना गया है।

23. पाटनरोधी नियमावली के पैरा-8, अनुबंध-1 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके प्रतिकूल सिद्ध करता है। चीन जन गण से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/ उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/ पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-
- क. कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन. जन. गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- ख. इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
- ग. इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- घ. विनिमय दर का परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है।
24. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी एमटीआर आरंभ करने संबंधी नोटिस के फलस्वरूप, एक चीनी उत्पादक नामतः मैसर्स अनहुयी हाउवांग केमिकल ग्रुप कम्पनी लिमि. ने ईक्यू का उत्तर देकर उस नोटिस का जवाब दिया है। हालांकि अनहुयी ने न तो एमईटी के प्रश्नावली का जवाब दिया है न ही एमईटी का दर्जा प्राप्त करने का दावा किया है।
25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उसी उत्पाद के संबंध में मूल पाटनरोधी जांच में, प्राधिकारी मूल जांच के अंत में निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचे हैं :
- "37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी आरंभ करने संबंधी नोटिस के फलस्वरूप, एक चीनी उत्पादक/ निर्यातक नामतः मैसर्स अनहुयी हाउवांग केमिकल ग्रुप कम्पनी लिमि. ने बाजार अर्थव्यवस्था के प्रश्नावली का उत्तर सहित इसके प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन करने की कोशिश की है। प्रतिवादी के प्रश्नावली उत्तरों की जांच संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के प्रतिवादी उत्पादक/ निर्यातक के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए की गई थी और इन अनुरोधों में पाई गई कमियों का उल्लेख किया गया था और स्पष्टीकरण मांगा गया था। उत्तर का अध्ययन करने पर यह देखा गया था कि मैसर्स शांग्छी जिंगचेंग अनर्थासाइट माइनिंग ग्रुप ('जिनचेंग ग्रुप') का मैसर्स अनहुयी हाउवांग केमिकल ग्रुप कम्पनी लिमि. में पर्याप्त '35 प्रतिशत' हिस्सेदारी है। प्राधिकारी नोट करता है कि मैसर्स शांग्छी जिंगचेंग अनर्थासाइट माइनिंग ग्रुप शांग्छी राज्य के राज्य की स्वामित्व वाली परिसंपत्ति एवं प्रशासन आयोग द्वारा नियंत्रित की जाती है। इसके अलावा, कम्पनी से इस बात की जांच करने के लिए स्पष्टीकरण मांगा गया था कि क्या संबद्ध वस्तुओं के निर्माण के लिए उनके द्वारा खरीदे गए प्रमुख निविष्टियां पर्याप्त रूप से बाजार मूल्य का दर्शाते हैं।*
- 38. इसके उत्तर में मैसर्स अनहुयी हाउवांग केमिकल ग्रुप कम्पनी लिमि. ने उल्लेख किया है कि वर्ष 1970 से 2002 तक हाउवांग केमिकल का नाम अनहुयी फाउवांग केमिकल फ़ैक्ट्री था और वर्ष 2002 से 2007 तक, हाउवांग का नाम मैसर्स अनहुयी हाउवांग केमिकल ग्रुप कम्पनी लिमि. ('हाउवांग केमिकल') था। वर्ष 2002 में ऐसे कुछ लोग थे, जिनके पास कम्पनी का शेयर था। उस समय हाउवांग केमिकल का शेयर होल्डिंग अनुपात लगभग 80 प्रतिशत राज्य के स्वामित्व में और 20 प्रतिशत निजी लोगों के स्वामित्व में था। वर्ष 2003 के अंत में हाउवांग केमिकल के राज्य के स्वामित्व वाले सभी शहरों को व्यक्तियों और कम्पनी के कर्मचारियों को हस्तांतरित कर दिया गया। उक्त समय के दौरान कम्पनी की पूंजी भी बढ़ गई। वर्ष 2003 के आगे से, कम्पनी निजी स्वामित्व वाली कम्पनी बन गई है। वर्ष 2002 में अनहुयी फाउवांग केमिकल फ़ैक्ट्री की परिसंपत्तियां एवं ऋण हाउवांग केमिकल को हस्तांतरित कर दिया गया है। फ़ैक्ट्री की परिसंपत्ति (भूमि का उपयोग का अधिकार सहित) का मूल्यांकन किया गया था और भूमि के लिए एक परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके अलावा, हाउवांग केमिकल को परिसंपत्तियों के हस्तांतरण का कार्य बाजार मूल्य पर किया गया था। यह दावा किया गया है कि वर्तमान में हाउवांग के प्रचालन में राज्य का कोई हस्तक्षेप नहीं है बल्कि इसे इसकी भी मान्यता दी गई है कि मैसर्स शांग्छी जिंगचेंग अनर्थासाइट माइनिंग ग्रुप ('जिनचेंग ग्रुप') का कम्पनी के शेयरों में 35 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।*
- 39. हालांकि प्राधिकारी नोट करते हैं कि 27 मई, 2003 के 'चीनी राज्य के स्वामित्व वाली परिसंपत्ति अंतिम विनियमन उपक्रम का पर्यवेक्षण एवं प्रशासन' के आर्टिकल 2 में निर्धारित किया गया है कि ये विनियमन राज्य के स्वामित्व वाली, नियंत्रणाधीन अथवा भागीदारी वाले उपक्रमों की राज्य के स्वामित्व वाली परिसंपत्तियों के पर्यवेक्षण एवं प्रशासन पर लागू होगी। उपर्युक्त तथ्यों पर विचार करते हुए कच्चे माल सहित मूल्यों, लागतों और निविष्टियों, प्रौद्योगिकी और श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश आदि के संबंध में कम्पनी के निर्णयों में राज्य का हस्तक्षेप से इनकार नहीं किया जा सकता।*
- 40. इसके अलावा, मौके पर किए गए सत्यापन के दौरान, कम्पनी के प्रतिनिधियों ने लिखित रूप में यह कहा कि वे बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का अपने दावे पर आगे जोर देना पसंद नहीं करेंगे। उपर्युक्त को देखते हुए कम्पनी को एक ऐसी कम्पनी के रूप में घोषित किया गया है जो गैर-बाजार स्थितियों के अंतर्गत कार्य कर रहा है।"*
26. उपर्युक्त स्थितियों को देखते हुए प्राधिकारी इस एमटीआर जांच में चीन जन. गण. के उत्पादकों/ निर्यातकों में से किसी को एमईटी दर्जा देने का भी निर्धारण नहीं करते हैं।
27. उत्पादकों एवं निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन के

संबंध में किए गए अनुरोध है, उन्हें प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित रूप में संगत माना गया है :

- i. मध्यावधि समीक्षा जांच में यदि हानि मार्जिन ऋणात्मक है तो पाटन की मौजूदगी अथवा अन्य तथ्य महत्वहीन हैं।
28. घरेलू उद्योग द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए अनुरोध है उन्हें प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित रूप में संगत माना गया है
 - i. चूंकि मूल जांच में इस बात का निर्धारण किया गया था कि चीन जन. गण. एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण वर्तमान जांच में भी अनुबंध-। पैरा 7 के अनुसार किया जायेगा।
 - ii. याचिकाकर्ता ने पाटन तथा घरेलू उद्योग को होने वाली हानि के संबंध में कोई सूचना नहीं दी है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- i. इस अनुरोध के संबंध में कि मध्यावधि समीक्षा जांच में यदि हानि मार्जिन ऋणात्मक है तो पाटन की मौजूदगी अथवा अन्य तथ्य महत्वहीन हैं, यह नोट किया जाता है कि नियम 23 के प्रावधानों में प्राधिकारी को पाटनरोधी जांच के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक रूप से नजर डालने का अधिकार दिया गया है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ पाटन, हानि, कारणात्मक संबंध, पाटन की संभावना और हानि की संभावना आदि की जांच शामिल है।
- ii. चीन जन. गण. को एनएमई बर्ताव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण वर्तमान जांच में अनुबंध-। के पैरा 7 के प्रावधान के अनुसार किया जाता है।
- iii. इस विरोध के संबंध में कि याचिकाकर्ता ने पाटन और घरेलू उद्योग को होने वाली हानि के संबंध में कोई सूचना प्रदान नहीं की है, यह नोट किया जाता है कि इस आवेदन में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के कुछ आधारों पर समीक्षा को शुरू करने का औचित्य सिद्ध करने के लिए प्रथम दृष्टया सूचना दी गई है।

झ. सामान्य मूल्य का निर्धारण

29. 9ए (1) (ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
 - (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-
 - (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन की लागत;
- परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

चीन जन. गण. के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

30. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के पैरा 7 में निम्नलिखित प्रावधान है कि :

“गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।”

31. प्राधिकारी इस संबंध में नोट करते हैं कि चीन जन. गण. के किसी उत्पादक और निर्यातक जिसमें एक प्रतिवादी निर्यातक शामिल है, को इसमें आगे दर्शाये गए अनुसार वर्तमान जांच में एमईटी दर्जा नहीं दिया गया है। आवेदक तथा घरेलू उद्योग के प्रतिवादी सहित किसी

हितबद्ध पक्षकार ने इस प्राधिकारी को कोई ठोस तथ्य उपलब्ध नहीं कराये हैं, जिससे यह चीन जन. गण. के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन से एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश का चयन कर सके, प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के संबंध में अन्य उचित आधारों पर चीन जन. गण. के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया।

32. तदनुसार, चीन जन. गण. के सभी निर्यातकों के लिए विचाराधीन उत्पाद का एक्स वर्क्स सामान्य मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर तय किया जाता है और उसे बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत तथा लाभ को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित किया जाता है। इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य अमरीकी डालर *** / किग्रा. है।

यूएसए और ईयू में उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में यूएसए और ईयू के किसी उत्पादक/ निर्यातक द्वारा प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं दिया गया है। यूएसए और ईयू के उत्पादकों/ निर्यातकों के सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के अनुसार यूएसए और ईयू के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया। यूएसए और ईयू के लिए इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य अमरीकी डालर *** / किग्रा. है।

अ. निर्यात मूल्य

चीन जन. गण. से निर्यातक

उत्तर देने वाले निर्यातक के लिए निर्यात मूल्य

मैसर्स अनहूयी हाउवांग केमिकल ग्रुप क. लिमि., चीन जन. गण.

34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स अनहूयी हाउवांग केमिकल ग्रुप क. लिमि., चीन जन. गण. को छोड़कर, चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं का कोई अन्य उत्पादक/ निर्यातक ने वर्तमान जांच में इस प्राधिकारी के पत्र का उत्तर नहीं दिया है।
35. प्राधिकारी ने इस बात की भी जांच की कि प्रतिवादी निर्यातक के संबंध में निर्यात कीमतों का निर्धारण प्रतिवादी द्वारा दायर की गई प्रश्नावली का उत्तर के आधार पर किया जा सकता है। प्रतिवादी ने भारत को किए गए निर्यात के संबंध में परिशिष्ट-2 में सूचना प्रस्तुत की है। निर्यात की कीमतों को इस कम्पनी के मौके पर किए गए सत्यापन के दौरान सत्यापित की गई, के रूप में अनुमति दी गई है। विदेशी भाड़ा, अंतरदेशीय भाड़ा, बीमा, निकासी प्रभार, पैकिंग लागतें, ऋण लागतों, बैंक प्रभारों एवं वैट के आधार पर समायोजन को इस कम्पनी के मौके पर सत्यापन के दौरान सत्यापित किया गया हुआ माना गया है। स्वीकार्य समायोजन करने के बाद, प्राधिकारी ने पीओआई के दौरान अनहूयी हाउवांग केमिकल ग्रुप क. लिमि. का निर्यात मूल्य अमरीकी डालर *** / किग्रा. के रूप में निर्धारित किया।

असहयोगी निर्यातकों/ उत्पादकों के संबंध में निर्यात मूल्य का निर्धारण

36. प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (8) के संबंध में "उपलब्ध तथ्यों" के अनुसार निवल मूल्य का निर्धारण किया है। तदनुसार, चीन जन. गण. से असहयोगी निर्यातकों के संबंध में निवल निर्यात कीमत का निर्धारण अमरीकी डालर *** / किग्रा. के रूप में किया गया।

यूएसए के निर्यातक

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में यूएसए के संबद्ध वस्तुओं का निर्यातकों/ उत्पादकों द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया है।
38. उपर्युक्त स्थिति के आलोक में, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार यूएसए के सभी निर्यातकों के लिए निर्यात मूल्य का निर्धारण करने का निर्णय लिया है। प्राधिकारी ने इस प्रयोजन से डीजीसीआई एंड एस आयात आंकड़ों पर विचार किया है। समुद्री भाड़ा, बीमा, कमीशन, बंदरगाह खर्चों अंतर्देशीय भाड़ा और बैंक प्रभारों, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समायोजन पर विचार निवल निर्यात मूल्य तय करने के लिए किया गया है। तदनुसार, एक्स फैक्ट्री स्तर पर निर्यात मूल्य का निर्धारण यूएसए के मामले में अमरीकी डालर *** / किग्रा. के रूप में किया गया।

ईयू के निर्यातक

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में ईयू के संबद्ध वस्तुओं का निर्यातकों/ उत्पादकों द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया गया है।
40. उपर्युक्त स्थिति के आलोक में, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (8) के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के अनुसार ईयू के सभी निर्यातकों के लिए निर्यात मूल्य का निर्धारण करने का निर्णय लिया है। प्राधिकारी ने इस प्रयोजन से डीजीसीआई एंड एस आयात आंकड़ों पर विचार किया है। समुद्री भाड़ा, बीमा, कमीशन, बंदरगाह खर्चों अंतर्देशीय भाड़ा और बैंक प्रभारों, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समायोजन पर विचार निवल निर्यात मूल्य तय करने के लिए किया गया है। तदनुसार, एक्स फैक्ट्री स्तर पर निर्यात मूल्य का निर्धारण ईयू के मामले में अमरीकी डालर *** / किग्रा. के रूप में किया गया।

ट. पाटन मार्जिन

41. उपर्युक्त में किए गए निर्धारण के अनुसार सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद जांच की अवधि और जांच के अवधि के पश्चात् की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन का निर्धारण नीचे दिये गए के अनुसार किया गया है :

जांच की अवधि

क्र.सं.	निर्यातक/ उत्पादक	देश	सामान्य मूल्य - अमरीकी डॉलर/ किग्रा.	निर्यात मूल्य - अमरीकी डॉलर/ किग्रा.	पाटन मार्जिन - अमरीकी डॉलर/ किग्रा.	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेंज - %
1	अनहूयी हाउवांग केमिकल ग्रुप क. लिमि. (उत्पादक एवं निर्यातक)	चीन जन गण	***	***	***	***	10-20
2	अन्य सभी उत्पादक/ निर्यातक	चीन जन गण	***	***	***	***	20-30
3	सभी उत्पादक/ निर्यातक	यूएसए	***	***	(***)	(***)	(-5-15)
4	सभी उत्पादक/ निर्यातक	ईयू	***	***	(***)	(***)	(-5-15)

जांच की अवधि के पश्चात्

क्र.सं.	निर्यातक/ उत्पादक	देश	सामान्य मूल्य - अमरीकी डॉलर/ किग्रा.	निर्यात मूल्य - अमरीकी डॉलर/ किग्रा.	पाटन मार्जिन - अमरीकी डॉलर/ किग्रा.	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेंज - %
1	अनहूयी हाउवांग केमिकल ग्रुप क. लिमि. (उत्पादक एवं निर्यातक)	चीन जन गण	***	***	***	***	15-25
2	अन्य सभी उत्पादक/ निर्यातक	चीन जन गण	***	***	***	***	20-30
3	सभी उत्पादक/ निर्यातक	यूएसए	***	***	(***)	(***)	(-0-10)
4	सभी उत्पादक/ निर्यातक	ईयू	***	***	***	***	10-20

प्रकटन विवरण के बाद प्राधिकारी ने अनहूयी हाउवांग केमिकल ग्रुप क. लिमि. चीन जन. गण. (उत्पादक एवं निर्यातक) के संबंध में जांच की अवधि के पश्चात् पाटन मार्जिन की संगणना की समीक्षा की और वैट वापसी हेतु आवश्यक समायोजन करने के पश्चात् निवल निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का पुनः आकलन किया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान अनहूयी हाउवांग केमिकल ग्रुप क. लिमि. चीन जन. गण. (उत्पादक एवं निर्यातक) तथा चीन के अन्य निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन न केवल सकारात्मक है अपितु जांच अवधि के दौरान काफी अधिक भी है। आगे यह नोट किया जाता है कि जांचोत्तर अवधि के दौरान अनहूयी हाउवांग केमिकल ग्रुप क. लिमि. चीन जन. गण. सहित चीन के निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन में आगे और वृद्धि हुई है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु का पाटन जारी रहा। यद्यपि, वर्तमान जांच के उत्तर में ईयू अथवा अमरीका के किसी भी निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। तथापि, जांच

अवधि के दौरान ईयू और अमरीका, दोनों के संबंध में पाटन मार्जिन नकारात्मक है। जांचोत्तर अवधि के दौरान यद्यपि, ईयू के संबंध में पाटन मार्जिन सकारात्मक और काफी अधिक है तथापि, अमरीका के संबंध में यह नकारात्मक है।

ठ. हानि के निर्धारण के लिए पद्धति और हानि एवं कारणात्मक संबंध की जांच

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया अनुरोध

42. उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा हानि से संबंधित अनुरोध नीचे दिया गया है :

- i. डीईजी कीमतों का निर्धारण करने के लिए डीजीसीआई एंड एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों पर घरेलू उद्योग के विश्वास से नोसिल और घरेलू उद्योग द्वारा विचारित डीईजी मूल्य में काफी अंतर उत्पन्न हुआ है जिसके फलस्वरूप दावे किए गए हानि मार्जिन में और अधिक अंतर हो गया है। आईबीआईएस लेन-देन के आंकड़े डीजीसीआई एंड एस के लेन-देन के आंकड़ों के ठीक विपरीत डीईजी के सही मूल्यों का निर्धारण करने में अधिक उपयुक्त हैं।
- ii. वर्तमान में मौजूद स्थिति पाटनरोधी शुल्क को लगाए रखने का औचित्य नहीं दर्शाता है क्योंकि संबद्ध देशों से आयात कीमतों में काफी वृद्धि हो गई है, जिसके फलस्वरूप "कोई हानि" नहीं होने वाली है। घरेलू उद्योग के निर्यात की कीमत में भी वृद्धि हुई है।
- iii. आयात का पहुंच मूल्य हानि रहित मूल्य से काफी अधिक है, जिसके फलस्वरूप हानि मार्जिन ऋणात्मक हो गया है और इस कारण से वर्तमान मामले में शुल्क को हटाए जाने की मांग की जा रही है।
- iv. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत हानि रहित मूल्य से काफी अधिक है जो यह दर्शाता है कि पाटनरोधी शुल्कों को लगातार संरक्षित करने की कोई आवश्यकता नहीं है।
- v. हानि मार्जिन में बदलाव के कारण समीक्षा किया जाना आवश्यक हो गया है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद पर पाटन रोधी शुल्क की निर्धारित मात्रा लग रही है।
- vi. यदि कुछ मानदंडों में परिवर्तन को दर्शाया जा सकता है जो बिलकूल अलग है अर्थात् इसने मूल जांच से सकारात्मक बेहतरी को दर्शाया है, एक मध्यावधि समीक्षा जांच पर विचार किया जाना चाहिए और उसके पश्चात् निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा या तो शुल्क की मात्रा में कटौती की जानी चाहिए अथवा शुल्क वापस लेने की सिफारिश की जानी चाहिए।
- vii. घरेलू उद्योग द्वारा दायर किए गए अनुरोध में विभिन्न मानदंडों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग को कोई हानि नहीं हुई है। निम्नलिखित तालिका घरेलू उद्योग की तथ्यात्मक स्थिति का सार प्रस्तुत करती है, जो अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित को दर्शाती है :
 - क) घरेलू उद्योग ने इस अवधि के दौरान अपनी क्षमता बढ़ाकर लगभग 150 प्रतिशत कर दी है।
 - ख) हानि अवधि के बाद उत्पादन में सतत वृद्धि हुई है।
 - ग) घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है।
 - घ) घरेलू उद्योग की बिक्री बहुत अधिक बढ़ी है। बिक्री में वृद्धि मांग में वृद्धि से अधिक है।
 - ङ) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता आधार वर्ष से 100 प्रतिशत अधिक हुई है।
 - च) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में बहुत अधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता आधार वर्ष से 100 प्रतिशत अधिक हुई है।
 - छ) घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा भी बहुत अधिक हो गया है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और संबद्ध देशों और अन्य देशों का बाजार हिस्सा कम हुआ है।
 - ज) घरेलू उद्योग की उत्पादकता में भी उत्पादन में वृद्धि के साथ बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
 - झ) निवेश पर आय में भी हानि अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है।
 - ञ) नकदी प्रवाह भी इस अवधि के दौरान बहुत अधिक सीमा तक बढ़ा है।

त) रोजगार में कोई कमी नहीं हुई है। रोजगार बढ़ा है। इसलिए इस आधार पर किसी हानि का दावा नहीं किया जा सकता है।

viii. यह स्पष्ट होगा कि वर्तमान समीक्षा जांच में हानि मार्जिन ऋणात्मक होगा, जिससे पाटनरोधी शुल्क को वापस लेने की सिफारिश करने का अवसर मिलेगा। पाटन मार्जिन पर ध्यान दिए बिना, हानि मार्जिन के ऋणात्मक होने और दो मार्जिनों में से कमतर मार्जिन को अपनाने की भारत की स्थिति को देखते हुए, वर्तमान समीक्षा जांच पूर्व में लगाये गए पाटनरोधी शुल्क को वापस लेने की सिफारिश करने की आवश्यकता होगी।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

43. घरेलू उद्योग द्वारा हानि के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- i. वह आधार जिसके आधार पर वर्तमान एमटीआर शुरू की गई थी, मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों को वापस लेने की आवश्यकता नहीं दर्शाता है।
- ii. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात के कीमत में अत्यधिक वृद्धि का वर्तमान मामले में कोई अर्थ नहीं है क्योंकि लागू पाटनरोधी शुल्कों पर विचार किए बिना सकारात्मक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हो रही है, जो स्वयं मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखने की आवश्यकता की ओर इशारा करते हैं।
- iii. घरेलू उद्योग द्वारा अपेक्षाकृत अधिक मूल्यों पर किए जा रहे निर्यात का कोई संबंध घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन से नहीं है, जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा दावा किया गया है। तथापि, निर्यात में वृद्धि यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में पाटित आयातों वह भी पर्याप्त मात्रा में होने के कारण निर्यात मूल्य के स्तर पर घरेलू बाजार में अपनी कीमतों पर बढ़ाने में सक्षम नहीं हो पाया है।
- iv. इस अनुरोध में कोई दम नहीं है कि आयात का पहुंच मूल्य हानि रहित मूल्य से अधिक है, जिसके फलस्वरूप नकारात्मक हानि मार्जिन हुआ है। घरेलू उद्योग द्वारा दी गई संबद्ध सूचना दर्शाती है कि सकारात्मक हानि मार्जिन अत्यधिक है।
- v. इस अनुरोध में भी कोई दम नहीं है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत हानि रहित मूल्य से बहुत अधिक है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत घरेलू बाजार में पाटित आयातों वह भी अत्यधिक मात्रा में होने के कारण एनआईपी से बहुत कम हुआ है।
- vi. इस अनुरोध में भी कोई दम नहीं है कि हानि मार्जिन में बदलाव से समीक्षा जरूरी हो गई है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क की निर्धारित मात्रा लग रही है। याचिकाकर्ता द्वारा कथित परिवर्तन अस्थायी प्रकृति के नहीं हैं और न ही वह अधिक व उचित है।
- vii. चूंकि घरेलू उद्योग इस तथ्य को प्रदर्शित करता है कि वे आधार जिन पर वर्तमान मध्यावधि समीक्षा शुरू की गई है, विद्यमान नहीं है तब स्वाभाविक परिणाम प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच को समाप्त करना होगा।
- viii. वापस लेने की आवश्यकता सिद्ध करने के प्रमाण का दायित्व याचिकाकर्ता पर है और वे इस जिम्मेदारी को घरेलू उद्योग पर नहीं थोप सकते कि घरेलू उद्योग इसके विरुद्ध प्रमाणित करे जब तक कि और यदि वे अपनी जिम्मेदारी का पालन नहीं करते हैं।
- ix. प्राधिकारी को डीजीसीआई एंड एस के आधार पर वर्तमान एमटीआर जांच के प्रयोजन से आयात की मात्रा और मूल्य को अपनाना चाहिए, जिसे प्राधिकारी द्वारा कई जांचों में अपनाया गया है।
- x. मूल जांच की हानि अवधि और वर्तमान एमटीआर की हानि अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयात का स्तर तुलनीय स्तर पर रहा और उपभोक्ताओं के पास अभी भी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं को पसंद करने का अधिकार है जो यह दर्शाता है कि उपभोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्कों का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।
- xi. आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान मूल्य की तुलना वर्तमान मामले में असंगत है क्योंकि ये शुल्क वर्तमान जांच में हानि अवधि के आधार वर्ष के बाद लागू हुए हैं।
- xii. इस विरोध का भी कोई आधार नहीं है कि घरेलू उद्योग ने आवेदन प्रपत्र में सूचना प्रदान नहीं की है क्योंकि इस दावे का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। याचिकाकर्ता ने यह उल्लेख नहीं किया है कि वर्तमान एमटीआर के लिए निर्धारित प्रपत्र में घरेलू उद्योग द्वारा कौन सी संगत सूचना नहीं दी गई है।
- xiii. घरेलू उद्योग की वर्तमान स्थिति में किसी प्रकार के सुधार केवल पाटनरोधी शुल्कों के आधार पर हुआ है जो इस निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं है कि यदि पाटनरोधी शुल्क को हटा दिया जाता है अथवा उसमें बदलाव किया जाता है तब घरेलू उद्योग को किसी प्रकार की हानि होने की संभावना नहीं है और इस कारण से अब इसकी आवश्यकता नहीं है।

- xiv. घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण पर्याप्त हानि होने से बचने का संकेत मात्रा दर्शाया है। पूर्णरूप से बचा जाना अभी बाकी है।
- xv. हालांकि घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन कुछ मानदंडों के मामले में सुधरा है फिर भी समग्र कार्य निष्पादन इच्छित और उचित स्तरों से काफी कम है, जिससे मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखना आवश्यक है।
- xvi. भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयात और घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन के लिए बीच प्रत्यक्ष संबंध है। मूल जांच के दौरान पर्याप्त हानि की स्थिति में पाटनरोधी शुल्कों के परिणामस्वरूप सुधार आया है और संबद्ध देशों से आयात और घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन में एक कारणात्मक संबंध है जो शुल्कों को जारी रखना आवश्यक समझता है।
- xvii. इसकी भी संभावना है कि पाटन और पर्याप्त हानि की स्थिति मौजूदा शुल्कों को समाप्त करने अथवा उनमें संशोधन करने पर और खराब हो जाएगी।
- xviii. मध्यावधि समीक्षा में, केवल मौजूदा कार्य निष्पादन इस निर्णय पर पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं है कि पाटनरोधी शुल्क को इस चरण में वापस लिया जा सकता है और प्राधिकारी से यह अपेक्षित होगा कि वह पाटनरोधी शुल्क वापस लिए जाने की स्थिति में संभावित स्थिति पर विचार करे। केवल पाटनरोधी शुल्क के आधार पर कार्य निष्पादन में सुधार मौजूदा शुल्कों को समाप्त करने को औचित्यपूर्ण ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

44. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में (क) पाटित वस्तुओं की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पादों के लिए मूल्यों पर पाटित आयात का प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव दोनों कि वस्तुपरक जांच का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रा के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस बात की जांच करें कि भारत में उत्पादन अथवा खपत के मामले में या तो पूर्ण रूप में अथवा उसके सापेक्ष पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के मूल्य के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह इस बात की जांच करे कि भारत में समान उत्पादों के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक मूल्य में कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्य प्रकार से मूल्यों में काफी हद तक गिरावट होनी है अथवा मूल्य में वृद्धि में रुकावट आएगी जो काफी हद तक अन्य प्रकार से हो चुका होगा।
45. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है :
- “संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।”*
46. प्राधिकारी द्वारा इसके नीचे किया गया हानि विश्लेषण वास्तव में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का समाधान करता है। हालांकि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विशिष्ट अनुरोध का समाधान प्राधिकारी द्वारा नीचे दिए गए अनुसार किया गया है :
- याचिकाकर्ता और घरेलू उद्योग द्वारा दावा किए गए डाई-एथीलिन ग्लाइकोल (डीईजी) मूल्यों में अंतर के संबंध में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा रखे गए संगत अभिलेखों पर विश्वास करते हुए वास्तविक आधार पर और वह भी खरीद और खपत के ब्यौरों का आवश्यक सत्यापन करने के बाद घरेलू उद्योग के कच्चे माल की कीमतों का निर्धारण किया है।
 - इस तर्क के संबंध में कि संबद्ध देशों से आयात के मूल्य में अत्यधिक वृद्धि हुई है और जिसके फलस्वरूप ‘कोई हानि’ नहीं हुई है, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान अंतिम निष्कर्ष संबद्ध देशों से आयात कीमतों में परिवर्तन तथा उसका घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर परिणामी प्रभाव के पहलुओं पर स्वतः स्पष्ट है।
 - इस तर्क के संबंध में कि आयात का पहुंच मूल्य हानि रहित मूल्य से स्पष्ट रूप से अधिक है, जिसके फलस्वरूप नकारात्मक हानि मार्जिन हुआ है और इस कारण से वर्तमान मामले में शुल्क को समाप्त करने की मांग की गई है, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान अंतिम निष्कर्ष विवरण उपयुक्त स्थानों पर इस संबंध में वास्तविक स्थिति को दर्शाता है जो स्वतः स्पष्ट है।
 - इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत हानि रहित मूल्य से बहुत अधिक है जो पाटनरोधी शुल्कों को लगातार बनाए रखने की आवश्यकता को नहीं दर्शाता है। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान अंतिम जांच परिणाम उपयुक्त स्थानों पर इस संबंध में वास्तविक स्थिति को दर्शाता है जो स्वतः स्पष्ट है।
 - इस तर्क के संबंध में कि हानि मार्जिन में बदलाव से समीक्षा जरूरी हो गई है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क की निर्धारित मात्रा लग रही है। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान एमटीआर जांच नोसिल लिमि. द्वारा दिए गए एक आवेदन के आधार पर शुरू की गई थी, जिसमें अनेक आधार हैं और वर्तमान समीक्षा में अन्य बातों के साथ-साथ ऐसे सभी आधार शामिल हैं।

- vi. इस तर्क के संबंध में कि कुछ मानदंडों में बदलाव दर्शाया जा सकता है जो अलग-अलग हैं, एक मध्यावधि समीक्षा जांच पर विचार किया जाना चाहिए, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी जहां भी आवश्यक होगा अपनी स्वयं के पहल पर अथवा किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा जो ऐसी समीक्षा की आवश्यकता को प्रमाणित करते हुए सकारात्मक सूचना देता है, किए गए अनुरोध पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने जाने की तिथि से उचित अवधि के समाप्त होने पर शुल्क को लगातार लगाये जाने की आवश्यकता की समीक्षा करेगा।
- vii. इस तर्क के संबंध में कि वे आधार जिन पर वर्तमान एमटीआर शुरू किया गया था, मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों को वापस लेने की आवश्यकता को नहीं दर्शाता है, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान जांच प्रथम दृष्टया उस मामले के आधार पर शुरू की गई थी जिसने इस समीक्षा की आवश्यकता को सिद्ध किया और अंतिम निष्कर्ष के परिणाम वर्तमान जांच के दौरान प्रकट हुए तथ्यों, जिसका उल्लेख इस अंतिम निष्कर्ष में उपयुक्त स्थानों पर किया गया है, के आधार पर है।
- viii. इस तर्क के संबंध में कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात की कीमत में अत्यधिक वृद्धि वर्तमान मामले में अर्थहीन है क्योंकि लागू पाटनरोधी शुल्कों पर विचार किए बिना सकारात्मक अंडर कटिंग और अंडर शेलिंग है, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान अंतिम निष्कर्ष विवरण इस संबंध में उपयुक्त स्थानों पर वास्तविक स्थिति को दर्शाता है, जो स्वतः स्पष्ट है।
- ix. इस तर्क के संबंध में कि इस अनुरोध में कोई दम नहीं है कि आयात कि लेनडिड प्राइज हानि रहित मूल्य से अधिक है और जिसके फलस्वरूप नकारात्मक हानि मार्जिन हुआ है, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान अंतिम निष्कर्ष विवरण इस संबंध में उपयुक्त स्थानों पर वास्तविक स्थिति को दर्शाता है, जो स्वतः स्पष्ट है।
- x. इस तर्क के संबंध में कि इस अनुरोध में कोई दम नहीं है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत हानि रहित मूल्य से काफी अधिक है, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान अंतिम निष्कर्ष विवरण इस संबंध में उपयुक्त स्थानों पर वास्तविक स्थिति को दर्शाता है, जो स्वतः स्पष्ट है।
- xi. इस तर्क के संबंध में कि चूंकि घरेलू उद्योग ने यह दर्शाया है कि जिस आधार पर वर्तमान मध्यावधि समीक्षा शुरू की गई है वह विद्यमान नहीं है, तब स्वाभाविक परिणाम इस प्राधिकारी वर्तमान जांच को समाप्त करना होना है, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान अंतिम निष्कर्ष विवरण इस पहलू पर स्वतः स्पष्ट है।
- xii. इस तर्क के संबंध में कि वापस लेने की आवश्यकता सिद्ध करने के प्रमाण का दायित्व याचिकाकर्ता पर है और वे इस जिम्मेदारी को घरेलू उद्योग पर नहीं थोप सकते, यह नोट किया जाता है कि वर्तमान जांच नोसिल लिमि. द्वारा दायर किए गए एक आवेदन के आधार पर शुरू की गई थी और उसके बाद घरेलू उद्योग सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों को पाटन एवं हानि के संबंध में आवश्यक सूचना देने के लिए पर्याप्त अवसर दिए गए थे ताकि प्राधिकारी जांच के अंत में उचित निष्कर्ष पर पहुंचने में सक्षम हो सके। इस कारण से इस तर्क को खारिज किया जाता है।
- xiii. इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी को डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों के आधार पर वर्तमान मध्यावधि समीक्षा की जांच के उद्देश्य से आयात की मात्रा और मूल्य को अपनाना चाहिए, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन से डीजीसीआई एंड एस के अनुसार लेन देन वार आयात सूचना पर विश्वास किया है।
- xiv. इस तर्क के संबंध में कि जांच की अवधि की तुलना में आधार वर्ष के दौरान मूल्य की तुलना वर्तमान मामले में असंगत है क्योंकि यह शुल्क वर्तमान जांच में हानि अवधि के आधार वर्ष के बाद लागू हुए, यह नोट किया जाता है कि पद्धति के अनुसार, जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन की हानि की अवधि के आधार वर्ष के साथ तुलना की जाती है।
- xv. इस तर्क के संबंध में कि मध्यावधि समीक्षा में केवल वर्तमान कार्य निष्पादन इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं है कि पाटनरोधी शुल्क को इस चरण में वापस लिया जा सकता है और प्राधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि वह पाटनरोधी शुल्क के वापस लिये जाने पर उत्पन्न होने वाली संभावित स्थिति पर विचार करे, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में संभावना के पहलू पर भी विचार किया है और जांच की अवधि के पश्चात् छः महीने की सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों से मांगी गई थी।
- xvi. इस अनुरोध के संबंध में कि वर्तमान समीक्षा जांच में हानि मार्जिन नकारात्मक होगी और पाटन मार्जिन पर ध्यान दिए बिना वर्तमान समीक्षा जांच पूर्व में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को वापस लेने की सिफारिश करने के लिए आवश्यक होनी चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस संबंध में वास्तविक स्थिति वास्तविक रूप से सत्यापित सूचना के आधार पर इस अंतिम निष्कर्ष में संगत भाग में दर्शाया गया है।

ड. संचयी आकलन

47. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 पैरा (111) की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है, जिसमें यह प्रावधान है कि यदि एक से अधिक देशों से कोई उत्पाद का आयात पाटनरोधी जांच के अधधीन उसी समय किया जा रहा है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी

रूप से आकलन करेगा, यदि यह निम्नलिखित निर्धारित करता है :

क. प्रत्येक देश से आयात की तुलना में स्थापित पाटन का मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समानुपात के आयात का 3 प्रतिशत है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3 प्रतिशत से कम है, ये आयात कुल मिलाकर समान वस्तु के आयात का 7 प्रतिशत से अधिक होता है और

ख. आयात के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के आलोक में उपयुक्त है।

48. इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

- चीन जन. गण. का पाटन मार्जिन उपर्युक्त निर्धारित सीमाओं से अधिक है। जबकि जांच की अवधि के दौरान यूएसए और ईयू के मामले में पाटन मार्जिन नकारात्मक था, जांच की अवधि के बाद के दौरान यूएसए ओ छोड़कर सभी संबद्ध देशों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्धारित सीमाओं से अधिक है।
- संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से आयात की मात्रा निर्धारित सीमाओं से अधिक है।
- आयातों के प्रभावों का संचयी आकलन उपर्युक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात की सीधी प्रतिस्पर्धा भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए जा रहे समान वस्तुओं से होती है। यह निम्नलिखित से स्पष्ट है :
 - क) संबंध देशों से उत्पादकों द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तुओं का परस्पर और घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पाद की तुलना में तुलनीय गुण हैं। अन्य शब्दों में विभिन्न संबद्ध देशों से आपूर्ति की गई संबद्ध सामानों और घरेलू उद्योग के संबद्ध वस्तु परस्पर समान वस्तु हैं।
 - ख) कुछ ऐसे पक्ष हैं जो विभिन्न स्रोतों और घरेलू सामग्री से आयातित सामग्री का उपयोग करते हैं। अतः आयातित और घरेलू सामग्रियों का उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है और घरेलू उत्पाद एवं आयातित उत्पाद और परस्पर आयातित उत्पाद के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा है।
 - ग) संबद्ध देशों से निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने उसी उत्पाद को उसी अवधियों के दौरान एक ही ग्राहक समूह को बेचा है। बिक्री के चैनल तुलनीय हैं।
 - घ) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से आयात की मात्रा अत्यधिक है।
 - ङ) ग्राहक विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा पेशकश किए गए मूल्यों के आधार पर खरीद के बारे में निर्णय लेते हैं।

49. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी यह विचार करते हैं कि घरेलू उद्योग को हानि का संचयी रूप से आकलन करने के लिए यह उपयुक्त होगा।

50. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखा है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में (क) पाटित वस्तुओं की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पादों के लिए मूल्यों पर पाटित आयात का प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव दोनों की वस्तुपरक जांच का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रा के प्रभाव की जांच करते समय प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस बात की जांच करें कि भारत में उत्पादन अथवा खपत के मामले में या तो पूर्ण रूप में अथवा उसके सापेक्ष पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के मूल्य के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह इस बात की जांच करे कि भारत में समान उत्पादों के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक मूल्य में कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्य प्रकार से मूल्यों में काफी हद तक गिरावट होनी है अथवा मूल्य में वृद्धि में रुकावट आयेगी जो काफी हद तक अन्य प्रकार से हो चुका होगा।

51. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है: *"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"*

52. प्राधिकारी ने तथ्यों और हितबद्ध पक्षकारों को ध्यान में रखकर वस्तुपरक ढंग से हानि मानदंडों की जांच की है। हानि मानदंडों का विश्लेषण करने के लिए, घरेलू उद्योग के तुलनपत्र सहित सभी संगत दस्तावेजों की जांच एवं सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया है। घरेलू उद्योग के कच्चे माल की कीमतों से संबंधित मुद्दों और अन्य मुद्दों पर भी प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त शीर्षकों के अंतर्गत विचार किया गया है।

क. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

(क) मांग तथा बाजार हिस्सा

53. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से, भारत में उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयात की मात्रा के रूप में परिभाषित किया है। आंकी गई मांग निम्नलिखित तालिका में दी गई है।

(i) मांग

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर, 13	अप्रैल- सितंबर, 13- वार्षिकीकृत
मांग	मी.ट.	***	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	108	117	116	127	127
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	3,964	3,834	3,591	3,461	1,844	3,688
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	48	-	40	-	-	-
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

ii) मांग में बाजार हिस्सा

54. विभिन्न स्रोतों से आयात और भारतीय उत्पादों की बिक्री को ध्यान में रखते हुए भारत ने मांग में विषयगत आयातों के बाजार हिस्से की जांच की गई। वास्तविक स्थिति निम्नलिखित है :-

55. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान उत्पाद की मांग में निरंतर वृद्धि प्रदर्शित हुई है। आगे यह भी नोट किया जाता है कि

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर, 13	अप्रैल- सितंबर, 13- वार्षिकीकृत
संबद्ध देशों से आयात	%	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	89.80	77.70	75.36	73.16	73.16
अन्य देशों से आयात	%	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	0.98	-	0.70	-	-	-
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	150.22	199.64	213.78	223.44	223.44
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

घरेलू उद्योग का हिस्सा बढ़ा है जबकि पाटित आयातों के हिस्से में घटती हुई प्रवृत्ति सामने आई है। यह भी नोट किया जाता है कि यद्यपि पाटित आयातों के हिस्से में घटती प्रवृत्ति आई है। तथापि, पाटित आयातों का हिस्सा वास्तविक रूप में जांच अवधि के दौरान और जांच अवधि के बाद भी महत्वपूर्ण स्तरों पर रहा।

(ख) आयात मात्रा तथा बाजार हिस्सा

56. प्राधिकारी ने इस अंतिम निष्कर्ष के उद्देश्य से डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात सूचना पर विश्वास किया है। विषयगत देशों और अन्य देशों से आयात मात्रा तथा घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री के संबंध में विषयगत देशों से पाटित आयात निम्नलिखित रहे हैं :

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर, 13	अप्रैल- सितंबर, 13- वार्षिकीकृत
मात्रा							
संबद्ध देश	मी.ट.	3,964	3,834	3,591	3,461	1,844	3,688
अन्य देश	मी.ट.	48	-	40	-	-	-
कुल आयात	मी.ट.	4,012	3,834	3,631	3,461	1,844	3,688
आयातों में बाजार हिस्सा							
संबद्ध देश	%	98.80	100	98.90	100	100	100
अन्य देश	%	1.20	-	1.10	-	-	-
उत्पादन की तुलना में	%	***	***	***	***	***	***
घरेलू बिक्री की तुलना में आयात	%	***	***	***	***	***	***

57. उपर्युक्त तालिका से यह देखा गया है कि विषयगत देशों से आयात जांच अवधि तक आधार वर्ष में हुए हैं, तथापि आयातों की काफी मात्रा जांच अवधि में विद्यमान थी।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

58. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह विचार करना होता है कि क्या पाटित आयातों से भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में काफी कमी आई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को काफी हद तक नीचे लाने या कीमत वृद्धि रोकने के लिए अन्यथा है, जो अन्यथा काफी हद तक बढ़ गयी होती। इस विश्लेषण के उद्देश्य से घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत, भारित औसत निवल बिक्री मूल्य और क्षति रहित कीमतों की विषयगत देशों से आयातों की देश में लागत से तुलना की गई है।

I. कीमत कटौती

59. निवल बिक्री, बाहरी किराया एवं करों को घटाने के बाद की गई। आयात का देश में मूल्य 1 प्रतिशत सार संभाल प्रभार तथा विषयगत आयातों के सीआईएफ मूल्य पर लागू उपकर सहित लागू मूल सीमाशुल्क जोड़कर परिकलित किया गया है। विषयगत देशों से आयातों के देश में मूल्य की घरेलू उद्योग की निवल बिक्री से तुलना की गई और यह पाया गया कि पाटित आयातों से निम्नलिखित तालिका के अनुसार घरेलू उद्योग की कीमतें कम हो रही हैं।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13 (जांच अवधि)	अप्रैल- सितंबर, 13
पाटनरोधी शुल्क के बिना पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	101.97	141.19	169.09	168.87	171.92
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	143	162	168	176
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	246	42	187	293
कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***
रेंज	%	0-10	5-15	0-10	0-10	5-15

60. उपर्युक्त तालिका से यह देखा गया है कि आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतें कम हो रही हैं। यद्यपि, पहुंच कीमत वर्षों में बढ़ोत्तरी हुई है तथापि, वे घरेलू उद्योग द्वारा पेश की गई कीमतों से कम थीं।

पाटनरोधी शुल्क में कटौती

61. प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि इस समय विषयगत देशों की तुलना में पाटनरोधी शुल्क 0.63 अम.डा. से 0.81 अम. डॉ. प्रति किग्रा. लागू है। प्राधिकारी ने लागू पाटनरोधी शुल्क में कमी का भी विश्लेषण किया है। यह नोट किया जाता है कि सभी विषयगत देशों के संबंध में वर्तमान पाटनरोधी शुल्क में कमी वर्ष 12-13 के लिए तथा जांच अवधि के बाद में प्रतिकूल है, जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :-

	जांच अवधि			जांच अवधि पश्चात		
	चीन	अमरीका	ईयू	चीन	अमरीका	ईयू
पाटनरोधी शुल्क सहित पहुंच मूल्य (रु0 प्रति किग्रा0)	196.49	220.37	209.90	213.89	239.75	205.31
एन एस आर (रु0 प्रति किग्रा0)	***	***	***	***	***	***
कीमत कटौती (रु0 प्रति किग्रा0)	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)
कीमत कटौती %	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)
% की रेंज	(-5-15)	(-20-30)	(-10-20)	(-10-20)	(-20-30)	(-5-15)

ii. कम कीमत पर बिक्री

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति के मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण सूचक है। क्षति रहित कीमत निकाल ली गई है और कम कीमत पर बिक्री की सीमा तक पहुंचने के लिए संबद्ध वस्तुओं के देश में मूल्य से तुलना की गई है। क्षति रहित कीमत, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार, जांच अवधि के दौरा विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए निर्धारित की गई है। विश्लेषण से पता चलता है कि संबद्ध आयातों का देश में मूल्य क्षति रहित कीमत से कम था, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है।

विवरण	इकाई	चीन जन.गण.	अमरीका	ईयू	संबद्ध देश
जांच अवधि					
क्षति रहित कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***

पहुंच कीमत (जांच अवधि)	रु./किग्रा.	161.98	184.99	172.65	168.87
कम कीमत पर बिक्री	रु./किग्रा.	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	5-15	(0-10)	(0-10)	(1-10)
जांच अवधि पश्चात					
क्षति रहित कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
पहुंच कीमत (जांच अवधि)	रु./किग्रा.	175.21	191.85	165.31	171.92
कम कीमत पर बिक्री	रु./किग्रा.	***	(***)	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	(***)	***	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	10-15	(0-10)	15-25	10-15

कीमत में उतार/चढ़ाव

63. प्राधिकारी ने यह जांच की कि क्या पाटित आयातों के प्रभाव से भारत में समान वस्तुओं की कीमतों में कमी आई अथवा कीमतों में वृद्धि रुकी, जो कि अन्यथा हुआ होता ।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर, 13
उत्पादन की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	149	154	157	173
बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	141	159	165	172
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	101.97	141.19	169.09	168.87	171.92

64. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि उत्पादन लागत और बिक्री कीमत भी जांच अवधि तक बढ़ी है और यही प्रवृत्तियां जांच अवधि के बाद भी देखी गई हैं । यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, एन एस आर तथा पहुंच मूल्य की सामान्यतः जांच अवधि और जांच अवधि के बाद की अवधि में यही प्रवृत्ति रही है ।

ढ. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड**(क) क्षमता तथा क्षमता उपयोग**

65. क्षति अवधि पर घरेलू उद्योग की क्षमता तथा क्षमता उपयोग निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर 13	अप्रैल- सितंबर, 13- वार्षिकीकृत
क्षमता मी.ट.	मी.ट.	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	150	150	150	150
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	106	112	114	114

66. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की क्षमता और क्षमता उपयोग क्षति अवधि के दौरान बढ़ी है । घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि और जांच अवधि में सुधार प्रदर्शित किया है ।

(ख) उत्पादन

67. घरेलू उद्योग के उत्पादन आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं :-

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर 13	अप्रैल- सितंबर, 13- वार्षिकीकृत
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	137	159	169	172	172
मांग	मी.ट.	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	117	116	127	127

68. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग का उत्पादन क्षति अवधि में बढ़ा है ।

बिक्री मात्रा

69. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर 13	अप्रैल- सितंबर, 13- वार्षिकीकृत
घरेलू बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	162	233	248	284	284
मांग	मी.ट.	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	117	116	127	127
मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	200	214	223	223

70. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री ने बढ़ती हुई प्रवृत्ति दर्शाई है और यही प्रवृत्ति जांच अवधि के बाद की अवधि में भी जारी रही ।

(ग) लाभ/हानि

71. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर 13
लाभ	रु./किग्रा.	***	(***)	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-313	490	625	134
नकद लाभ	रु./किग्रा.	***	(***)	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(40)	242	282	110
आर ओ सी ई	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	8	372	528	324

72. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति अवधि में और जांच अवधि के दौरान कुछ सुधार आया है । यही प्रवृत्तियाँ लगाई गई पूंजी पर वापसी की स्थिति में देखी गई थीं । तथापि, नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और लगाई गई पूंजी पर वापसी की स्थिति में जांच अवधि के बाद की अवधि में बदतर प्रवृत्तियाँ सामने आई हैं ।

(घ) नकद प्रवाह

73. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की नकद प्रवाह स्थिति पर पाटन के प्रभाव की जांच करने के लिए नकद लाभ में प्रवृत्तियों की जांच की है । घरेलू उद्योग के नकद लाभ के संबंध में सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है ।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर 13
नकद लाभ	रु./किग्रा.	***	(***)	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-40	242	281	110

74. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग का नकद लाभ जांच अवधि तक क्षति अवधि में बढ़ा है । तथापि, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता जांच अवधि के बाद की अवधि में घटी है ।

(ङ) मालसूची

75. घरेलू उद्योग में मालसूची निम्नलिखित रूप में संचलित हुई :

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर 13
औसत स्टॉक	मी.ट.	100	190	160	206	288
बिक्री दिवसों की संख्या के अनुसार स्टॉक	दिवस	***	***	***	***	***

76. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग में मालसूची आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बढ़ी है और मालसूची स्तर जांच अवधि के बाद की अवधि में और बढ़ा है । मालसूची स्तर घरेलू उद्योग पर काफी प्रतिकूल प्रभाव और मात्रा का दबाव दर्शाते हैं । बिक्री के दिनों की संख्या के रूप में भी स्टॉक में काफी वृद्धि हुई है ।

(ड.) उत्पादकता

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में भी उत्पादन की तरह ही प्रवृत्ति हो रही है । यह भी देखा जा सकता है कि प्रति कर्मचारी उत्पादकता और प्रति दिन उत्पादकता में निरंतर सुधार हुआ है । इस प्रकार विषयगत देशों से निरंतर आयातों का कोई प्रतिकूल प्रभाव इन मापदंडों पर नहीं दिखाई देता ।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर 13
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट./संख्या	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	148	157	159
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट./दिवस	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	137	159	169	172

(छ) रोजगार एवं मजदूरी

78. निम्नलिखित तालिका से यह देखा जाता है कि पूरी क्षति अवधि में रोजगार स्तर स्थिर रहा । समग्र मजदूरी प्रति किग्रा. में भी मजदूरी में वृद्धि की तरह बढ़ोत्तरी हुई है ।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर 13
रोजगार	संख्या	***	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	108	108	108	108
मजदूरी	रु/किग्रा.	***	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	116	144	157	157

(ज) पाटन की मात्रा

79. उपर्युक्त पाटन मार्जिन से संबंधित भाग से यह देखा गया है कि विषयगत देशों से विषयगत वस्तुओं के आयात के संबंध में पाटन मार्जिन दोनों जांच अवधि और जांच अवधि के पश्चात की अवधि में काफी अनुकूल हैं ।

(झ) वृद्धि

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि और जांच अवधि के पश्चात की अवधि सहित क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की वृद्धि निम्नलिखित रही है :

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर 13
प्रति इकाई लाभ/हानि	%	-	(413.44)	256.18	25.43	(79.84)
मालसूची (औसत स्टॉक)	%	-	89.77	(15.58)	28.35	39.96
प्रति इकाई नकद लाभ	%	-	(140.03)	696.30	16.26	(61.45)
संबद्ध देशों से आयात	%	-	(3.27)	(6.34)	(3.63)	6.57
आर ओ आई	%	-	(1.96)	7.97	3.97	(4.69)

81. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि तक विभिन्न मात्रा एवं कीमत मानदंडों के संदर्भ में वृद्धि दर्शायी । तथापि, जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान प्रमुख मानदंडों के संदर्भ में स्थिति में परिवर्तन हुआ । विशेष रूप से जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान घरेलू

उद्योग की लाभप्रदता में प्रतिकूल वृद्धि हुई जोकि जांच अवधि तक सुधर रही थी । साथ ही विषयगत देशों से आयात जांच अवधि के बाद की अवधि में बढ़े ।

पूँजी निवेश बढ़ाने की योग्यता

82. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने 2010-11 के दौरान विषयगत सामानों की अपनी क्षमता में वृद्धि की है । तथापि, उसके बाद क्षमता में कोई और वृद्धि नहीं हुई ।

(ट) क्षति एवं क्षति मार्जिन का मानदंड

83. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किए गए अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विषयगत सामानों की गैर-क्षति कीमत की तुलना जांच अवधि और जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए विषयगत देशों से निर्यातों के पहुंच मूल्य के सथ की गई है । इस प्रकार निर्धारित किया गया क्षति मार्जिन निम्नवत है :-

देश	उत्पादक/निर्यातक	डीआई का एनआईपी (रु०/किग्रा)	पहुंच कीमत (रु०/किग्रा)	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज
जांच अवधि						
चीन जन.गण.	अनहुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कं. लि. (उत्पादक एवं निर्यातक)	***	***	***	***	0-10
चीन जन.गण.	सभी अन्य उत्पादक एवं निर्यातक	***	***	***	***	5-15
ई यू	समस्त उत्पादक / निर्यातक	***	***	(***)	(***)	(-0-10)
अमरीका	समस्त उत्पादक / निर्यातक	***	***	(***)	(***)	(-0-10)
जांच अवधि पश्चात						
चीन जन.गण.	अनहुई हाओयुआन कैमिकल ग्रुप कं. लि. (उत्पादक एवं निर्यातक)	***	***	***	***	5-15
चीन जन.गण.	समस्त अन्य उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	10-20
ई यू	समस्त उत्पादक / निर्यातक	***	***	***	***	10-20
अमरीका	समस्त उत्पादक / निर्यातक	***	***	(***)	(***)	(-0-10)

(ठ) वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष

84. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान उत्पादन, बिक्री मात्रा, बाजार हिस्सा, क्षमता, लाभ, नकद लाभ तथा लगाई पूँजी पर आय के संदर्भ में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार आया है । तथापि, जांच अवधि के बाद लाभप्रदता, लगाई गई पूँजी पर आय, नकद लाभ, मालसूची संबंधी स्थिति आदि के संदर्भ में घरेलू उद्योग का निष्पादन घटा है, फिर भी उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्से के संदर्भ में घरेलू उद्योग की आर्थिक स्थिति में सुधार के लक्षण दिखाई देते रहे । तथापि, जांच अवधि एवं जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान चीन जन.गण. तथा ई यू से कीमत घटने का प्रभाव अनुकूल रहा ।

(ड) आकस्मिक संपर्क तथा अन्य कारक

85. कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत में उतार एवं चढ़ाव के प्रभावों के संदर्भ में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की वास्तविक क्षति, मात्रा और कीमत प्रभावों की मौजूदगी की जांच करते हुए भारतीय नियमों और पाटनरोधी करार के तहत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मानदंडों की यह देखने के लिए जांच की गई है कि पाटित आयातों को छोड़कर अन्य किसी कारक से क्या घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची है । तदनुसार, निम्नलिखित मानदंडों की जांच की गई है :

(क) तीसरे देशों से आयात की मात्रा तथा कीमतें

86. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान विषयगत देशों को छोड़कर अन्य देशों से विषयगत सामानों के आयात मात्रा में काफी रहे हैं । अतः अन्य देशों से आयातों पर घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने के लिए विचार नहीं किया जा सकता ।

विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां तथा उनके बीच प्रतिस्पर्धा

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विषयगत सामान स्वतंत्र रूप से आयात योग्य हैं । घरेलू उद्योग विषयगत सामानों का एकमात्र उत्पादक है तथा वह 100 प्रतिशत घरेलू उत्पादन एवं बिक्री करता है । घरेलू रूप से उत्पादित विषयगत सामान पाटित कीमतों पर विषयगत देशों से आयातित सामानों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं ।

(ख) खपत की पद्धति में मांग अथवा परिवर्तनों में संकुचन

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं आई है । इसके विपरीत विषयगत सामानों की समग्र मांग में क्षति अवधि के दौरान काफी अनुकूल वृद्धि हुई है । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान अपनी क्षमता बढ़ाई है ।

(ग) प्रौद्योगिकी में विकास

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी इच्छुक पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रदर्शित किए जाने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची हो ।

(घ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

90. निम्नलिखित तालिका में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में उनके निष्पादन का संक्षिप्त विवरण दिया गया है ।

विवरण	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	अप्रैल- सितंबर 13	अप्रैल- सितंबर, 13- वार्षिकीकृत
मात्रा मी.ट. में	***	***	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	136	98	58	35	35

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा आधार वर्ष तथा उससे ठीक पहले के वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कम हुई है । तथापि, घरेलू एवं निर्यात बाजार में कीमत तथा लाभप्रदता को प्राधिकारी द्वारा वर्तमान क्षति मूल्यांकन के उद्देश्य से अलग-अलग किया गया है ।

(ड) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

92. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निरंतर बढ़ी है ।

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है तथापि, निम्नलिखित मानदंड यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों से हुई है । यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का निष्पादन उत्पादन, बिक्री मात्रा, बाजार हिस्सा, क्षमता, लाभ, नकद लाभ, तथा लगाई गई पूंजी पर आय के संदर्भ में सुधरा है, परंतु क्षमता उपयोग और मालसूची के संदर्भ में कम हुआ है । तथापि, जांच अवधि के बाद के दौरान उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता, क्षमता उपयोग, मालसूची, बाजार हिस्सा, लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर आय के संदर्भ में घरेलू उद्योग की समग्र आर्थिक स्थिति में गिरावट आई है । इस प्रकार लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय, नकद प्रवाह आदि में जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान गिरावट प्रत्यक्ष रूप से पाटित आयातों के कारण है ।

द. क्षति जारी रहने/बार-बार होने की संभावना

94. प्राधिकारी को यह निर्धारित करना है कि क्या विषयगत सामान पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में प्रवेश करते जा रहे हैं अथवा पाटनरोधी शुल्कों की वापसी की स्थिति में विषयगत देशों से पाटित कीमतों पर निर्यात किए जाने की संभावना है । यह जांच करना व्यावहारिक है कि यदि शुल्क समाप्त किया जाए अथवा उसमें अंतर किया जाए तो क्या घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण होने की संभावना है । यह पहले ही प्रमाणित कर दिया गया है कि भारत में विषयगत देशों से आयातों का पहुंच मूल्य जांच अवधि और जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत तथा घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित जांच अवधि के बाद की गैर क्षति कीमत से नीचे था । प्राधिकारी ने जांचों के दौरान विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और साक्ष्य के आधार पर घरेलू उद्योग को क्षति दोबारा होने की संभावना की भी जांच की है । प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-11 (VII) के संदर्भ में वास्तविक क्षति के खतरे से संबंधित मानदंडों पर विचार करते हुए पाटन और क्षति निरंतर होने की संभावना अथवा पुनः होने की स्थिति की जांच की है जोकि निम्नलिखितानुसार है :-

“वास्तविक क्षति की आशंका का निर्धारण तथ्यों पर आधारित होगा और न कि आरोप, निराधार कल्पना या सुदूर संभावना पर । परिस्थितियों में परिवर्तन जिनसे ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जिनमें पाटन से क्षति होगी, स्पष्ट रूप से दिखने चाहिए और असन्भवनी होने चाहिए । वास्तविक क्षति के खतरे की मौजूदगी के संबंध में निर्धारण करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ ऐसे कारकों पर विचार करेंगे और;

- (क) भारत में पाटित आयातों में वृद्धि की अधिक दर जिससे आयातों में पर्याप्त वृद्धि की संभावना का संकेत मिलता हो ।
- (ख) निर्यातक की क्षमता में पर्याप्त मुक्त रूप से निपटान योग्य, या आसन्नवर्ती, पर्याप्त वृद्धि जिनसे किसी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजार में पाटित निर्यातों में पर्याप्त वृद्धि की संभावना का संकेत मिलता हो ।
- (ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं, जिनसे घरेलू कीमतों पर काफी ह्रासकारी या न्यूनकारी प्रभाव पड़ेगा और इनसे अधिक उत्पादों की मांग बढ़ने की संभावना है तथा
- (घ) उस वस्तु की वस्तु सूची की जांच की जा रही हो”

95. याचिकाकर्ता और अन्य इच्छुक पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुति दी गई है :

- i. वर्तमान मध्यावधि समीक्षा याचिकाकर्ता के कहने पर शुरू की गई है जोकि विचाराधीन उत्पाद का मुख्य आयातक है । समीक्षा के लिए प्रमुख आधार वर्तमान अवधि में प्रतिकूल क्षति मार्जिन है । इस प्रकार निर्यातकों के लिए न तो वर्तमान जांच में जवाब देना कानूनी अनिवार्यता है और न ही यह सिद्ध करने के लिए यह आवश्यक है कि क्षति मार्जिन प्रतिकूल है ।
- ii. ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग विपरीत वक्तव्य दे रहा है । एक ओर घरेलू उद्योग कहता है कि पाटनरोधी शुल्क के कारण उसके निष्पादन में सुधार आया है और दूसरी ओर वह यह विरोध करता है कि उसे क्षति हो रही है ।
- iii. चूंकि घरेलू उद्योग ने क्षति होने की संभावना के संबंध में कोई सूचना नहीं दी है, अतः वह मानता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क की वापसी की स्थिति में क्षति होने की संभावना निर्धारित नहीं कर सकता ।

96. घरेलू उद्योग द्वारा इस संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुति दी गई है :

- i. निष्पक्ष रूप से समीक्षा अवधि में निरंतर पाटन एवं क्षति न होने का अभिप्राय यह नहीं है कि पाटनरोधी शुल्क की वापसी की स्थिति में पाटन एवं क्षति पुनः होने की संभावना न हो ।
- ii. वर्तमान मध्यावधि समीक्षा की जांच अवधि के दौरान कीमतें और क्षति मार्जिन कम होने से संबंधित तथ्य महत्वपूर्ण रूप से अनुकूल रहा है और यह दर्शाता है कि मौजूदा शुल्कों में संशोधन अथवा उन्हें हटाए जाने की स्थिति में क्षति होने की संभावना स्पष्ट है ।
- iii. यह सुनिश्चित करना बहुत ही तर्कसंगत है कि जब वर्तमान क्षति है तो क्षति होने की संभावना भी पूरी है और संभावित क्षति का प्रश्न भी असंगत है ।
- iv. मूल जांच में भाग लेने वाले प्रमुख निर्यातक वर्तमान जांच में अलग रहे और उन्होंने विषयगत सामानों से संबंधित ऐसे उत्पादकों की क्षमताओं तथा तीसरे देशों सहित निर्यातों के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना का मूल्यांकन करने से प्राधिकारी को रोक कर रखा ।
- v. याचिकाकर्ता द्वारा अथवा निर्यातक द्वारा यह नहीं दर्शाया गया कि प्राधिकारी द्वारा शुल्क पुनः लगाए जाने की स्थिति में पाटित कीमत पर भारत में विषयगत सामानों की बढ़ी हुई मात्रा का मार्ग नहीं बनेगा ।
- vi. विषयगत देशों का भारतीय बाजार में बड़ा बाजार हिस्सा है क्योंकि शुल्क लगाए जाने के बाद भी आयात स्तर बहुत महत्वपूर्ण स्तरों पर रहा है ।
- vii. घरेलू उद्योग का निष्पादन बढ़ा है परंतु उपयुक्त स्तर हासिल नहीं किया गया है ।
- viii. निर्यातकों/उत्पादकों की महत्वपूर्ण निर्यात सापेक्ष क्षमताएं हैं जो मौजूदा शुल्कों को हटाए जाने की स्थिति में कम कीमतों पर भी भारत में की जाएगी ।
- ix. लाभप्रदता और निवेश पर आय जैसे मानदंड अपेक्षित स्तरों से बहुत कम हैं तथा वर्तमान लाभप्रदता और निवेश पर आय कोई लंबी और पर्याप्त प्रकृति की क्षति के संबंध में परिस्थितियों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं दर्शाते हैं ।
- x. संभावना न होने के लिए कोई अनुकूल साक्ष्य प्रदान करने के लिए याचिकाकर्ता की विफलता के आलोक में शेष सुविधा घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर सुनिश्चित करना है कि वर्तमान शुल्कों को हटाए जाने अथवा उनमें संशोधन करने की स्थिति में क्षति और पाटन की संभावना है । शुल्क जारी रखे जाने की आवश्यकता है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

97. भारतीय पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 में यह अपेक्षा है कि प्राधिकारी समय-समय पर शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की जांच करे । घरेलू उद्योग का यह कहना है कि वर्तमान जांच में याचिकाकर्ता ने संभावित पहलुओं की जांच करने के लिए कोई संगत सूचना नहीं दी है । तथापि, प्राधिकारी का यह मत है कि इस प्रकार की जांच में परिवर्तित परिस्थितियों की स्थायी प्रकृति तथा शुल्क की वापसी की स्थिति में संभावित परिदृश्य की जांच भी शामिल होगी । यह निर्धारित करने के लिए कि यदि शुल्क हटाए जाते हैं तो क्या पाटन की परिवर्तित परिस्थितियां स्थायी प्रकृति की हैं और क्या घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहेगी अथवा भविष्य में होगी, प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत बातों की जांच की है । प्राधिकारी ने जांच अवधि के लिए तथा जांच अवधि के तुरंत बाद की अवधि के लिए भारत में आयातों के संबंध में डी जी सी आई एस से सूचना मांगी थी । इस संबंध में प्राधिकारी निम्नलिखित रूप में नोट करते हैं :

i. जांच अवधि के बाद निर्यात की मात्रा

98. विषयगत देशों से विषयगत सामानों के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने जांच अवधि के बाद की अवधि में विषयगत देशों से भारत और अन्य देशों को विषयगत सामानों के निर्यात की मात्रा का विश्लेषण किया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के आधार पर जांच अवधि और जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान भारत ने विषयगत देशों से निर्यातों की मात्रा क्रमशः 3461 मी. टन और 3688 मी.ट. (वार्षिक) थी जो आंशिक वृद्धि दर्शाता है ।

99. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के मामले में जांच अवधि के दौरान और जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन दोनों सकारात्मक रहे हैं । जहां तक यूरोपीय यूनियन का संबंध है, जबकि जांच अवधि के दौरान पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन प्रतिकूल हैं परंतु जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान वे अनुकूल रहे हैं, जो यह संकेत दे रहे हैं कि पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग में पाटन और क्षति होने की संभावना है । संयुक्त राज्य अमरीका के मामले में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि और जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन प्रतिकूल पाए गए हैं जो यह दर्शाते हैं कि संयुक्त राज्य अमरीका से विषयगत सामानों के आयातों के निमित्त घरेलू उद्योग को पाटन एवं क्षति की संभावना नहीं है ।

ii. भारतीय बाजार में विषयगत देशों का बाजार हिस्सा

100. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विषयगत देशों का बाजार हिस्सा आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटा है परंतु जांच अवधि के बाद की अवधि में उसी स्तर पर कम अथवा ज्यादा रहा है । इसके विपरीत घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा उसी अवधि के दौरान बढ़ा है ।

iii. विदेशी उत्पादकों का निर्यात उन्मुखीकरण

101. उपलब्ध सूचना से यह सिद्ध होता है कि विषयगत देशों से उत्पादकों/निर्यातकों में पर्याप्त उत्पादन क्षमता है और वे अत्यधिक निर्यात सापेक्ष हैं। भारतीय बाजार में विषयगत सामानों की मांग में वृद्धि और उसकी आकर्षक कीमत पर विचार करते हुए यदि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाते हैं तो विषयगत देशों से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भारत में समग्र मांग को पूरा किया जा सकता है।

iv. वर्तमान तथा पूर्व पाटन मार्जिन का स्तर

102. पिछली जांच में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन तथा अब निर्धारित किए गए पाटन मार्जिन को ध्यान में रखते हुए यह सुस्पष्ट है कि संयुक्त राज्य अमरीका को छोड़कर विषयगत देशों से निर्यात पटित कीमतों पर किए जाते रहे तथा पाटनरोधी शुल्कों को लगाने पर किए जाते रहने की संभावना है। संयुक्त राज्य अमरीका को छोड़कर विषयगत देशों से निर्यात की मात्रा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी बढ़ा है। साथ ही क्षति अवधि के दौरान कम बिक्री तथा कीमत में काफी कमी आने पर भी पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की स्थिति में निर्यात की मात्रा और बढ़ने की संभावना है।

103. जहां तक घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने अथवा पुनः होने का संबंध है, जिन कीमत स्तरों पर विषयगत देशों से लागू शुल्क के बावजूद भारतीय बाजार में सामान आ रहे हैं, वह एक महत्वपूर्ण संकेतक है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान अनेक क्षति मानदंडों में घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार के बावजूद, जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान विशेष रूप से दूसरी तिमाही के दौरान उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता, क्षमता उपयोग, मालसूची, बाजार हिस्सा, लाभ, नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर आय के संदर्भ में घरेलू उद्योग की समग्र आर्थिक स्थिति में गिरावट आई है। इस प्रकार लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय, नकद प्रवाह आदि में जांच अवधि के दौरान विशेष रूप से दूसरी तिमाही के दौरान गिरावट पाटित आयातों के कारण है।

104. इस अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार जांच के अनिवार्य तथ्य पर्याप्त रूप से यह सिद्ध करते हैं कि जिन परिवर्तित परिस्थितियों के आधार पर आवेदक ने मध्यावधि समीक्षा की मांग की है, वे स्थायी प्रकृति के नहीं हैं और विषयगत देशों से शुरू होने वाले अथवा निर्यातित किए जाने वाले विषयगत सामानों का पाटन जारी रहने/पुनः पाटन होने की संभावना है तथा पाटनरोधी शुल्क में कमी करने/उसे हटाए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।

न. प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

105. याचिकाकर्ता द्वारा निम्नलिखित प्रकटन पश्चात टिप्पणियां/प्रस्तुतियां की गई हैं:

- i. प्रकटन विवरण यह सिद्ध करता है कि क्षति मार्जिन प्रतिकूल है। अतः पाटनरोधी शुल्क वापस लिए जाने की आवश्यकता है।
- ii. चूंकि याचिकाकर्ता के आंकड़े सीमाशुल्क के आंकड़ों पर आधारित हैं, अतः कुछ आयात लेन-देन असामान्य रूप कम कीमतों के साथ शामिल किए जाने की संभावना है। इन्हें अलग किए जाने की आवश्यकता है।
- iii. निर्धारित एनआईपी याचिकाकर्ता के मूल्यांकन की तुलना में बहुत ज्यादा है।
- iv. निर्दिष्ट प्राधिकारी को चाहिए कि वे सामान्य मूल्य निर्धारित करते समय सीमाशुल्क, भारत में किराया, अंतर्राष्ट्रीय किराया, पत्तन प्रभार आदि को कम करें।

106. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रकटन पश्चात टिप्पणियां/प्रस्तुतियां की गई हैं :-

- i. चीन जन.गण. के मामले में पाटन मार्जिन जांच अवधि तथा जांच अवधि के पश्चात की अवधि में अनुकूल रहे हैं। घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति होती रही है जैसा कि जांच अवधि के बाद के निष्पादन से उभरा है। इस प्रकार चीन जन.गण. पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क जारी रखे जाने योग्य हैं।
- ii. यूरोपीय यूनियन से पाटन मार्जिन जांच अवधि में प्रतिकूल रहे हैं, तथापि, वे जांच अवधि के बाद की अवधि में अनुकूल रहे हैं। घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति होती रही है जैसा कि जांच अवधि के बाद के निष्पादन से उभरा है। इस प्रकार यूरोपीय यूनियन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क जारी रखे जाने योग्य हैं।
- iii. यद्यपि, संयुक्त राज्य अमरीका से पाटन मार्जिन जांच अवधि में प्रतिकूल रहे हैं, तथापि, वे जांच अवधि तथा जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान प्रतिकूल रहे हैं। तथापि, संयुक्त राज्य अमरीका से आयात कीमत बनावटी है तथा उसे मध्यावधि समीक्षा का औचित्य बनाने के लिए नकली परिवर्तित परिस्थिति दर्शाने के लिए उच्चतर स्तरों पर रखा गया है। घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति होती रही है। इस प्रकार संयुक्त राज्य अमरीका पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क जारी रखे जाने योग्य हैं।
- iv. संयुक्त राज्य अमरीका के निर्यातक वर्तमान मध्यावधि समीक्षा में प्राधिकारी के साथ सहयोग करने से बचते रहे। इसकी संभावना निर्धारित करने के लिए संगत सूचना के अभाव में निर्यातकों द्वारा सहयोग न दिए जाने के परिणामस्वरूप प्राधिकारी ने संयुक्त राज्य अमरीका से पाटन एवं क्षति की संभावना न होने की स्थिति निर्धारित करने के बजाए शेष सुविधा को रोक कर रखे जाने का निर्णय लिया कि शुल्कों की वापसी की स्थिति में संयुक्त राज्य अमरीका से पाटन एवं क्षति की संभावना है तथा मौजूदा शुल्क जारी रखे जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।
- v. जांच अवधि तथा जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान विषयगत देशों से कीमतें कम होने तथा कम कीमत पर बिक्री की स्थिति पाटनरोधी शुल्क के बिना अनुकूल है। इस प्रकार मौजूदा पाटनरोधी शुल्क नहीं हटाया जाना चाहिए।
- vi. चूंकि घरेलू उद्योग का निष्पादन जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान कम हुआ है, अतः यदि शुल्क लगाया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने अथवा पुनः होने की संभावना है। अतः पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का प्रश्न नहीं उठता।

प्राधिकारी द्वारा जांच

107. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रकटन पश्चात कोई टिप्पणी नहीं की गई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता और घरेलू उद्योग द्वारा की गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियाँ अधिकतर पहले की गई टिप्पणियों की पुनरावृत्ति है। फिर भी, संगत मानी गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियों की जांच की गई और निम्नलिखित समाधान किया गया।

- i. जहां तक याचिकाकर्ता के विरोध का संबंध है कि निर्धारित एनआईपी अत्यधिक है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनआईपी पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार निर्धारित किया गया है।
- ii. जहां तक याचिकाकर्ता के इस विरोध का संबंध है कि असामान्य रूप से कम कीमतों पर आयात लेन-देन हटाए जाने की आवश्यकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान निर्यातक द्वारा किए गए सभी वैध निर्यात लेनदेनों पर निर्यात कीमत निर्धारित करते समय ध्यान दिया गया है।
- iii. जहां तक याचिकाकर्ता के इस विरोध का संबंध है कि सीमाशुल्क, भारत में किराया, अंतर्राष्ट्रीय किराया, पत्तन प्रभार आदि को सामान्य मूल्य निर्धारित करते समय अलग किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह निर्मित सामान्य मूल्य निर्धारित नियमों और परिपाटी के संदर्भ में चीन जन.गण. के लिए निर्धारित किया गया है।
- iv. जहां तक घरेलू उद्योग के विरोध का संबंध है कि संयुक्त राज्य अमरीका के उत्पादकों/निर्यातकों से उत्तर के अभाव के कारण शुल्क की वापसी की स्थिति में संयुक्त राज्य अमरीका से पाटन एवं क्षति की संभावना है। इसलिए शेष सुविधा को रोका जाए तथा मौजूदा शुल्क जारी रखने की अनुमति दी जाए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संयुक्त राज्य अमरीका से उत्तर न मिलने के बावजूद उन्होंने आंकड़ों पर विश्वास किया जो यह दर्शाते हैं कि जांच अवधि और जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान संयुक्त राज्य अमरीका से पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन प्रतिकूल है।

प. निष्कर्ष :

108. मै0 एमओसीआईएल लि0 के अनुरोध पर समीक्षा शुरू कर तथा पूरी कर तथा उठाए गए विरोध, दी गई सूचना और इच्छुक पक्षकारों द्वारा की गई प्रस्तुतियों एवं इच्छुक पक्षकारों द्वारा की गई प्रस्तुतियों के माध्यम से प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों अथवा अन्यथा इस निष्कर्ष में जो रिकॉर्ड किया गया है, उसके और वर्तमान तथा संभावित रूप से पाटन एवं क्षति और पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा उसके पुनः होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचते हैं :

- i. पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद, चीन जन.गण. से विषयगत सामानों का पाटन जारी रहा जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची।
- ii. यद्यपि, जांच अवधि के दौरान यूरोपियन यूनियन से पाटन प्रभाव प्रतिकूल था, तथापि, जांच अवधि के दौरान यूरोपियन यूनियन से पाटन पुनः हुआ जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंची।
- iii. जांच अवधि तथा जांच अवधि के बाद की अवधि, दोनों अवधियों में संयुक्त राज्य अमरीका से विषयगत सामानों के आयात से कोई पाटन/क्षति प्रभाव घरेलू उद्योग पर नहीं पड़ा।
- iv. यद्यपि, घरेलू उद्योग पर घातक प्रभाव डालने वाले विशेष विषयगत सामानों का पाटन चीन जन.गण. से जारी रहा। तथापि, यूरोपीय यूनियन से पाटन शुल्क हटाए जाने की स्थिति में पुनः होने की संभावना है।
- v. प्राधिकारी द्वारा खासकर अनहुई हायोयुआन कैमिकल ग्रुप कंपनी लि0, चीन जन.गण. (उत्पादक एवं निर्यातक) और सामान्यतः चीन जन गण और ई यू के निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन में जांच अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है।
- vi. जिन परिवर्तित परिस्थितियों के आधार पर याचिकाकर्ता ने मध्यावधि समीक्षा की मांग की है, वे स्थायी प्रकृति के नहीं हैं और संयुक्त राज्य अमरीका को छोड़कर विषयगत देशों से शुरू होने वाले अथवा निर्यात होने वाले विषयगत सामानों का पाटन जारी रहने/पुनः होने की संभावना है और पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है।

फ. सिफारिशें :

109. यह निष्कर्ष निकालते हुए कि जिन परिवर्तित परिस्थितियों के आधार पर याचिकाकर्ता ने मध्यावधि समीक्षा की मांग की है वे स्थायी प्रकृति के नहीं हैं और पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में संयुक्त राज्य अमरीका को छोड़कर विषयगत देशों से शुरू होने वाले अथवा निर्यात किए जाने वाले विषयगत सामानों का पाटन जारी रहने अथवा पुनः होने की संभावना है, जिससे घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होगी। प्राधिकारी मानते हैं कि संयुक्त राज्य अमरीका को छोड़कर विषयगत देशों से विषयगत सामानों के आयात के संबंध में उपायों की अवधि को आगे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है इसके अलावा, जांच अवधि और जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान चीन जन.गण. से सतत पाटन के मद्देनजर और जांच अवधि के बाद की अवधि के दौरान यूरोपीय यूनियन से पाटन पुनः होने और घरेलू उद्योग को और अधिक परिणामी क्षति होने की संभावना के मद्देनजर प्राधिकारी चीन जन.गण. तथा यूरोपीय यूनियन के सभी निर्यातकों के संबंध में मौजूदा पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की सिफारिश करते हैं।

110. प्राधिकारी ने पूर्व में दिनांक 5 दिसंबर, 2011 की अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना संख्या 14/41/2010—डीजीएडी द्वारा विषयगत देशों से शुरू होने वाले अथवा निर्यातित विषयगत सामानों के आयात पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की थी और केन्द्र सरकार द्वारा 24 जनवरी, 2012 की अधिसूचना सं० 10/2012—सी.शु. द्वारा शुल्क लगाए गए थे। उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर प्राधिकारी इसे आवश्यक मानते हैं और संयुक्त राज्य अमरीका से शुरू होने वाले अथवा निर्यातित विषयगत सामानों के आयात के संबंध में पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने और चीन जन.गण. तथा यूरोपियन यूनियन से शुरू होने वाले अथवा निर्यातित किए जाने वाले विषयगत सामानों के आयात पर पूर्व में लगाए गए स्तर पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश की जाए।

111. तदनुसार, चीन जन गण तथा यूरोपीय संघ के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ मद	वस्तु का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	29333917	मॉर्फोलीन	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै० अनहुई कैमिकल ग्रुप कं० लि०	मै० अनहुई कैमिकल ग्रुप कं० लि०	0.29	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
2	29333917	मॉर्फोलीन	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	क. सं० 1 के संयोजन से इतर अन्य कोई		0.63	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
3	29333917	मॉर्फोलीन	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	0.63	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
4	29333917	मॉर्फोलीन	चीन जन.गण.	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	0.63	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
5	29333917	मॉर्फोलीन	यूरोपीय संघ	यूरोपीय संघ	कोई	कोई	0.68	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
6	29333917	मॉर्फोलीन	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	यूरोपीय संघ	कोई	कोई	0.68	कि.ग्रा.	अम.डॉ.
7	29333917	मॉर्फोलीन	यूरोपीय संघ	संबद्ध देश से इतर अन्य कोई देश	कोई	कोई	0.68	कि.ग्रा.	अम.डॉ.

ब. आगे की प्रक्रिया

112. केन्द्र सरकार द्वारा यह आदेश स्वीकार किए जाने के बाद इसके खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ, अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

जे. के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

Dated, the 19th February, 2015

Final Findings

Subject : Mid-term Review (MTR) Anti-dumping investigation concerning imports of Morpholine, originating in or exported from China PR, European Union and USA.

No.15/5/2013-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

A. Background of the case

2. The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority), had notified its final findings vide Notification No. 14/41/2010-DGAD dated 5th December, 2011 and recommended imposition of definitive anti-dumping duty on imports of “Morpholine” (hereinafter also referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR, EU and USA (hereinafter also referred to as the subject countries) and the definitive anti-dumping duty was imposed by the Central Government vide Notification No. 10/2012-Customs dated 24th January, 2012.
3. M/s NOCIL Ltd has submitted an application requesting for initiation of a mid-term review of the anti-dumping duties imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries in accordance with section 9A of the Customs Tariff Act 1975 read with Rule 23 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995. They have claimed that the circumstances that were prevalent during the period of investigation of the original investigation have changed significantly leading to a situation where the existing anti-dumping duties are no longer warranted.

B. Initiation

4. Rule 23 of the Rules read with Section 9A of the Act require that the Designated Authority shall review the need for the continued imposition of any anti-dumping duty, where warranted, on its own initiative or upon request by any interested party who submits positive information substantiating the need for such review, and a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty and upon such review, the Designated Authority shall recommend to the Central Government for its withdrawal, where it comes to a conclusion that the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur, if the said anti-dumping duty is removed or varied and is therefore no longer warranted.
5. Having regard to the information provided by the applicant substantiating the need for such review and indicating changed circumstances necessitating a review of the measure in force, the Designated Authority, vide Notification No. 15/5/2013-DGAD dated 18th September, 2013, initiated the subject Mid-term Review (MTR) investigation of the final findings notified vide Notification No. 14/41/2010-DGAD dated 5th December, 2011 published in the Gazette of India, Extraordinary Part I, Section I and the definitive duties imposed by the Central Government vide Notification No. 10/2012-Customs dated 24th January, 2012, to review the need for continued imposition of the anti-dumping duties.

C. Procedure

6. The procedure described below has been followed by the Authority with regard to the present investigation:
 - i. The Authority sent copies of the initiation notification dated 18th September, 2013 to the embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, known importers and other interested parties, and the domestic producer, as per the available information. The known interested parties were requested to file the questionnaire responses and make their views known in writing within the prescribed time limit. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters were also sent to embassies of the subject countries along with a list of known exporters/producers, with a request to advise the exporters/producers from the subject countries to respond within the prescribed time.

- ii. Copy of the non-confidential version of the application filed on behalf of the applicant was made available to the known exporters, domestic producer and the embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules.
- iii. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating the MTR to the following known producers/exporters in the subject countries and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4) of the Rules:
 - a) M/s. Huntsman Corporation UK Ltd. Llanelli Plant, Byneallanelli, Carmarthenshire Sa 149 Te, UK
 - b) M/s. BASF SE, 67056 Ludwigshafen, Germany
 - c) M/s. Huntsman Corporation , 10003 Woodloch Forest Drive, The Woodlands, Tx 77380, USA
 - d) M/s. BASF Corporation, Geismar Site 8404 River Road, Geismar, La-70734, Louisiana, USA
 - e) M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd, No.1 Fukang Road, Fuyang Anhui, China PR
 - f) M/s. Puyang Wiilling Chemicals Co. Ltd. Industrial And Commercial Newzone, Puyang, Henan, China PR
 - g) M/s. Tianyou Pharma Co.Ltd, Buliding 4-1-501, Jialv Beiyuan, Hangzhou, China PR
- iv. In response to the initiation of the subject investigation, only following producer/exporter from China PR has responded by filing exporters questionnaire response:
 - a) M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co.Ltd No.1 Fukang Road, Fuyang Anhui, China PR
- v. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Anti-dumping Rules:
 - a. Urmi Chemicals, Maharashtra
 - b. Kanthilal Manilal & Co., Maharashtra
 - c. Sajjan India Ltd, Maharashtra
 - d. Orchid Chemicals & Pharmaceuticals, Chennai
 - e. Thermax Ltd, Maharashtra
 - f. BASF India Ltd, Maharashtra
 - g. NOCIL Ltd, Maharashtra
 - h. Harman Finochem Ltd, Maharashtra
 - i. AMJEY Chemicals, Maharashtra
 - j. Banwarilal Jhanwar & Sons, Maharashtra
 - k. Khyati Chemicals Pvt Ltd, Gujrat
 - l. Hindustan Specialty Chemicals, Maharashtra
 - m. Paramount Minerals & Chemicals Ltd, Maharashtra
 - n. Leo Chemoplast Pvt Ltd, Maharashtra
 - o. Diamond Dye-Chem Ltd, Maharashtra
 - p. Shakti Chemicals, Maharashtra
 - q. C J Shah & Co, Maharashtra
 - r. Sanjay Chemicals (India) Pvt Ltd, Maharashtra
 - s. Alfa Chemical Corporation, Maharashtra
 - t. Bilag Industries Ltd, Maharashtra
 - u. Merchem Ltd, Kerala
 - v. Indoco Remedies Ltd, Maharashtra
 - w. Unimark Remedies Ltd, Maharashtra
 - x. CIPLA Limited, Maharashtra
 - y. Lupin Ltd, Maharashtra
 - z. Clariant Chemicals (I) Ltd, Maharashtra
 - aa. Clariant Chemicals (I) Ltd, Chennai
 - bb. ION Exchange (I) Ltd, Andhra Pradesh
 - cc. Aarti Industries Ltd, Maharashtra
 - dd. RMC Rubber Chemicals India Pvt Ltd, Tamil Nadu
 - ee. Lofty Laboratories Pvt Ltd, Andhra Pradesh
 - ff. Aurobindo Pharma Ltd, Andhra Pradesh
 - gg. Hetero Drugs Ltd, Andhra Pradesh
 - hh. Surya Pharmaceuticals Ltd, Chandigarh

- ii. GAIL India Ltd, Delhi
 - jj. Sri Krishna Drugs Ltd, Andhra Pradesh
 - kk. Laffane Petrochemicals Ltd, Maharashtra
 - ll. Reliance Industries Ltd, Maharashtra
 - mm. Bajaj Hindustan Ltd, Uttar Pradesh
 - nn. Virchow Laboratories Ltd, Andhra Pradesh
 - oo. SMS Pharmaceuticals Ltd, Andhra Pradesh
 - pp. Panchsheel Organics Ltd, Madhya Pradesh
 - qq. Amines & Plasticizers Ltd, Maharashtra
 - rr. Dhanuka Laboratories Ltd, Haryana
 - ss. The Waxpol Industries Ltd, Jharkhand
 - tt. IOCL Mathura, Uttar Pradesh
 - uu. Jaipur Scientifics & Chemicals, Uttar Pradesh
 - vv. AVON Organics Ltd, Andhra Pradesh
 - ww. Surya Pharmaceuticals Ltd, Punjab
 - xx. Viswaat Chemicals Ltd, Maharashtra
- vi. In response to the above notification, only NOCIL Ltd, who is also the applicant in the present MTR investigation, has filed importer questionnaire response.
 - vii. Questionnaires were sent to M/s. Balaji Amines Ltd., Sholapur, Maharashtra, the known domestic producer of the subject goods in India and domestic industry in the original investigation, for necessary information and response. Balaji Amines Ltd., the domestic producer of the subject goods constituting domestic industry in the subject investigation, has filed response/submissions along with injury related information/data.
 - viii. Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation, have been treated as non-cooperating interested parties.
 - ix. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations, which was received by the Authority. The applicant provided information with regard to imports based on IBIS data (secondary source). The Authority has, however, relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and required analysis.
 - x. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. The NIP has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure III to the Anti-dumping Rules.
 - xi. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 2012 to 31st March, 2013 (POI). However, injury examination was conducted for a period from 2009-10, 2010-11, 2011-12 and the POI. The Authority also called relevant information/data from the interested parties for post POI (1st April 2013 to 30th Sep. 2013) for conducting likelihood analysis.
 - xii. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 30th June, 2014. The parties, which presented their views in the oral hearings, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
 - xiii. The submissions made by the interested parties during the course of the investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this final finding. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the co-operating producers/exporters.
 - xiv. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

- xv. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the final finding on the basis of the facts available.
- xvi. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts were disclosed by the Authority to the known interested parties vide disclosure statement issued on 4th December, 2014 and comments received on the same, to the extent considered relevant by the Authority, have been considered in this finding.
- xvii. *** represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xviii. The Department of Revenue, vide their Letter No. 354/239/2011-TRU (Pt-1) dated 22.09.2014, extended the time limit for completing the investigation and notifying the final finding up to 17.03.2015.
- xix. Exchange rate for conversion of US\$ to Rs. is considered for the POI as Rs 54.65 as per customs notification from month to month.

D. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

- 7. The product under consideration in the present mid-term review investigation, as in the original investigation, is 'Morpholine', originating in or exported from China PR, European Union and USA. The product scope therefore is the same as that defined in the original investigation.
- 8. Morpholine is an extremely versatile chemical and is used as a chemical intermediate in the rubber industry, in corrosion control, and in the synthesis of a large number of drugs. It is also used for crop protection agents, dyes and optical brighteners. Morpholine is a solvent for a large variety of organic materials, including resins, dyes and waxes. It can be used as a catalyst. Morpholine is used in the toiletry and cosmetic products at concentrations up to 5% (Cosmetic Ingredient). It can be used for / in the several direct and indirect food additive applications. Morpholine is used as intermediates for rubber accelerators and as corrosion inhibitor in steam boiler systems. It is used for optical brighteners in detergent formulations. Morpholine derivatives are used in rubber vulcanization, stabilization and the manufacture of special high-speed tyres. Morpholine may be released during rubber processing. Morpholine has volatility similar to water. Morpholine derivatives such as N-methylmorpholine and N-ethylmorpholine are used as Catalysts for the production of polyurethane foams. Morpholine derivatives are also used as analgesics and local anesthetics, antibiotics, antimycotics and for plaque control in dentistry. Morpholine is used in several direct and indirect food additive applications. Morpholine is used by the cosmetic industry also. The product falls under customs classification 29333917. However, the Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.
- 9. None of the interested parties have made any submission with regard to product under consideration and like articles.

E. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

- 10. The Authority notes that Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules defines domestic industry as under:-
(2)(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers";
- 11. During the original investigation M/s. Balaji Amines Ltd was found to be the sole producer of the subject goods in the country and constituted the domestic industry. The position remains unaltered during the POI of the present investigation and no submission has been made by any interested party to the contrary. In view of the said position, the Authority notes that M/s. Balaji Amines Ltd constitutes domestic industry in the present MTR investigation within the meaning of the Rule 2 (b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Anti-dumping Rules.

F. CONFIDENTIALITY

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 12. The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. Domestic industry has claimed excessive confidentiality in their submissions.
 - ii. All the volume parameters were kept confidential by the domestic industry.

Submissions made by the domestic industry

13. The various submissions made by the domestic industry with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority as follows:

- i. Applicant claimed excessive confidentiality on information restricting the domestic industry from offering any meaningful comments.
- ii. There are no proper reasoning provided for claiming any information as confidential.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

14. The submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- i. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-
Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2) and (3) of rule 6, sub-rule (2), (3) (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.
(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.
(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.
- ii. The Authority notes that information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

G. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS**Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties**

15. The miscellaneous submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. The domestic industry has not submitted full information as prescribed and has merely provided only selective information.
- ii. It is an incorrect submission that the petitioner has not filed importer's questionnaire response.

Submissions made by the domestic industry

16. The miscellaneous submissions made by the domestic industry and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. The present investigation is initiated at a premature stage that too based on an unsubstantiated petition.
- ii. In a Mid Term Review, the Designated Authority is required to consider and determine whether there is sufficient justification for withdrawal of anti dumping duty at a premature stage. However, the petition does not contain any positive information substantiating the need for such review and the petitioner relied upon mere averments and analogies of convenience to bring up a changed circumstance.
- iii. The present MTR is in violation of interpretation of Rule 23 with regard to MTR made by Hon'ble Supreme Court in Rishiroop Polymers Pvt. Ltd. Versus Designated Authority wherein the Hon'ble SC interpreted the provisions of Rule 23 of anti dumping rules inter alia as "*Having regard to the scheme of the above mentioned provisions of the statute, once anti-dumping duty has been initially imposed, it would be ordinarily continued for five years unless on a review it is found by the Designated Authority that there*

has been such a significant change in the facts and circumstances, that it is considered necessary either to withdraw or modify appropriately the anti-dumping duty which has been imposed. It is, therefore, clear that unless the Designated Authority suo motu or the applicant for review is in a position to establish clearly that there has been a significant change in the facts and circumstances relating to each of the basic requirements or conditions precedent for imposing duty, the finding given by the Designated Authority at the time of initial imposition of anti-dumping duty must be considered to continue to hold the field".(Emphasis Supplied). In present case, the petitioner failed to bring on record such a significant change in the facts and circumstances, that it is considered necessary either to withdraw or modify appropriately the anti-dumping duty which has been imposed.

EXAMINATION OF THE AUTHORITY

17. Rule 23 of Anti-dumping Rules states as follows:

"(1) Any anti-dumping duty imposed under the provision of section 9A of the Act, shall remain in force, so long as and to the extent necessary, to counteract dumping, which is causing injury.

(1A) The Designated Authority shall review the need for the continued imposition of any anti-dumping duty, where warranted, on its own initiative or upon request by any interested party who submits positive information substantiating the need for such review, and a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty and upon such review, the Designated Authority shall recommend to the Central Government for its withdrawal, where it comes to a conclusion that the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur, if the said anti-dumping duty is removed or varied and is therefore no longer warranted.

(1B) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) or (1A), any definitive anti-dumping duty levied under the Act, shall be effective for a period not exceeding five years from the date of its imposition, unless the Designated Authority comes to a conclusion, on a review initiated before that period on its own initiative or upon a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, within a reasonable period of time prior to the expiry of that period, that the expiry of the said anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

(2) Any review initiated under sub-rule (1) shall be concluded within a period not exceeding twelve months from the date of initiation of such review.

(3) The provisions of rules 6, 7, 8, 9/10, 11, 16, 17, 18, 19, and 20 shall be mutatis mutandis applicable in the case of review.

18. Article 11.2 of the Agreement provides that the Authority shall review the need for the continued imposition of the duty, where warranted, on their own initiative or, provided that a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti dumping duty, upon request by any interested party which submits positive information substantiating the need for a review. Interested parties shall have the right to request the authorities to examine whether the continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both. If, as a result of the review under this paragraph, the authorities determine that the anti dumping duty is no longer warranted, it shall be terminated immediately. The applicant and the other interested parties have contended that in a mid-term review change in any circumstance which was prevailing in the original investigation is sufficient to call for an MTR.

19. On the other hand, domestic industry contended that unless the applicant for review is in a position to establish clearly that there has been a significant change in the facts and circumstances relating to each of the basic requirements or conditions precedent for imposing duty, the finding given by the Designated Authority at the time of initial imposition of anti-dumping duty must be considered to continue to hold the field and any discontinuation of duty is contrary to the principles of Rule 23. Also in a a mid-term review, current performance alone is insufficient to conclude whether the anti-dumping duty can be withdrawn at this stage and that the Authority is required to consider the likely situation when anti dumping duty is withdrawn.

20. The Authority has examined the issues raised by the interested parties and domestic industry and notes that Rule 23 of the Anti-dumping Rules requires the Authority to review the need for the continued imposition of an anti-dumping duty, inter alia, upon request by any interested party who submits positive information substantiating the need for such review after a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty and upon such review, the Authority shall recommend to the Central Government for its withdrawal,

where it comes to the conclusion that the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur if the said anti-dumping duty is removed or varied and is therefore no longer warranted.

21. Various other miscellaneous issues raised by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined herein below:

- i. As regards the submission that the domestic industry has not submitted full information as prescribed and has merely provided only selective information, it is noted that the domestic industry has provided required information to determine injury as per the prescribed formats which is verified to the extent necessary for the purpose of present investigation by the Authority.
- ii. As regards the submission that it is an incorrect submission that the petitioner has not filed importer's questionnaire response, the Authority notes that the petitioner has filed the importer questionnaire response.
- iii. As regards the contention that the present investigation is initiated at a premature stage that too based on an unsubstantiated petition, it is noted that the present MTR is initiated after a reasonable period of time has elapsed and sufficient prima facie evidences to undertake a review as per the provisions of relevant rule.
- iv. As regards the contention that there is absence of positive evidence in the application filed to justify initiation of this investigation, it is noted that there was sufficient justification to initiate the investigation. The investigations were initiated only upon receipt of a written application, which was in the form and manner as specified by the Authority and was supported by relevant and necessary evidence substantiating the need for a mid-term review.
- v. As regards the submission that the present MTR is in violation of interpretation of Rule 23 made by Hon'ble Supreme Court in *Rishiroop Polymers Pvt. Ltd. Versus Designated Authority*, it is noted that facts of the present final finding are self explanatory in this respect.

H. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

22. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules. Also, China PR has been treated as operating under NME conditions in the original anti dumping investigation concerning the subject goods.

23. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:

- a. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

24. The Authority notes that consequent upon the MTR initiation notice issued by the Authority; one of the Chinese producers namely M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd have responded to the Authority by filing EQ Response. However, Anhui neither filed MET Questionnaire nor claimed MET status.

25. The Authority notes that in the original anti dumping investigation concerning the same product, the Authority has found as follows at the end of the original investigation;

“37. The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority; one Chinese producer/exporter, namely M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd has submitted its questionnaires’ responses including the market economy questionnaire response and has sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire responses of the respondent were examined for determination of Normal value of the responding producer/exporter of the subject goods from the subject country and deficiencies in the submissions were pointed out and clarifications were sought. From a perusal of the response, it was seen that M/s Shanxi Jincheng Anthracite Mining Group (“Jincheng Group”) has significant (35%) shareholding in M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd. The Authority notes that M/s Shanxi Jincheng Anthracite Mining Group is wholly owned by Shanxi provincial government and that M/s Shanxi Jincheng Anthracite Mining Group is controlled by the State-owned Assets and Administration Commission of Shanxi province. Besides, clarification was sought from the company to ascertain whether major inputs procured by them for manufacturing the subject goods substantially reflect market values.

38. In its response, M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd has stated that from the year 1970 to 2002, HaoyuanChemcial's name was Anhui Fuyang Chemical Factory and from the year 2002 to 2007, Haoyuan's name was Anhui Haoyuan Chemical Co., Ltd ("Haoyuan Chemical"). In the year 2002, there were certain individuals who held shares in the Company. At that point of time the shareholding ratio of Haoyuan Chemical was about 80% State-owned and 20% private owned. At the end of the year 2003, all of Haoyuan Chemical's State owned shares were transferred to individuals and employees of company. During the said time, the capital of the Company was also increased. From the year 2003 onwards, the Company has become a privately held company. In the year 2002, Anhui Fuyang Chemical Factory's asset and debts were transferred to Haoyuan Chemical. The factory's assets (including land using right) were valued, and an Assets Valuation Report for land was provided. Furthermore, the operation of assets transfer from to Haoyuan Chemical was on the market price. It has been claimed that presently, there is no State interference in the operation of Haoyuan but it has also been acknowledged that M/s Shanxi jincheng Anthracite mining Group (‘Jincheng Group’) has 35% of the shares of the Company.

39. However, the Authority notes that Article 2 of Chinese ‘Supervision and Administration of Enterprise State-owned Assets Tentative Regulations’ dated May 27 2003 specifies that these Regulations shall apply to the supervision and administration of the State-owned assets of enterprises owned, controlled or participated in by the State. Considering the above facts, State interference in the decisions of the company regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment etc cannot be ruled out.

40. Besides, during the course of the on-spot verification, the company’s representatives gave in writing that they choose not to further press their claim of Market Economy Status. In view of above, the company has been declared as the one which is operating under Non-Market conditions”.

26. In view of the above positions, the Authority determines not to grant MET status to any of the producers/exporters from China PR in this MTR investigation also.
27. The submissions concerning market economy, normal value, export price and dumping margin made by the producers/exporters/importers/other interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. Existence or otherwise of dumping is immaterial, if injury margin is negative in a mid- term review investigation.
28. The submissions made by the domestic industry concerning market economy, normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are as follows:
- i. Since it was determined in the original investigation that China PR is a non-market economy, determination of normal value should be made as per Para 7 of Annexure I in the present investigation also.

- ii. Petitioner has not provided any information with regard to dumping and likely injury to the domestic industry.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- i. As regards the submission that existence or otherwise of dumping is immaterial, if injury margin is negative in a mid- term review investigation, it is noted that the provisions of Rule 23 mandates the Authority to comprehensively look at various aspects of an anti dumping investigation which inter alia covers examination of dumping, injury, causal link, likelihood of dumping and injury etc.
- ii. As regards the NME treatment to China PR, it is noted that the Normal Value in case of China PR is determined as per the provision of Para 7 of Annexure I in the present investigation.
- iii. As regards the contention that the petitioner has not provided any information with regard to dumping and likely injury to the domestic industry, it is noted that the application contained prima facie information to justify an initiation of review based on certain grounds claimed by the petitioner.

I. DETERMINATION OF NORMAL VALUE

29. Under section 9A (1) (c), the normal value in relation to an article means:

- (i) *The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*
- (ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:*
 - (a) *Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
 - (b) *The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of exporter there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

30. Paragraph-7 of the Annexure-1 to the Anti-dumping Rules provides as follows:

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments”

31. The Authority notes in this respect that none of the producers/exporters from China PR including the one responding exporter have been accorded MET status in the present investigation as demonstrated herein above.

Neither any of the interested parties, including the applicant and also responding domestic industry, have made available any material fact to the Authority to select an appropriate market economy third country for the purpose of determination of normal value in case of China PR, the Authority determined the normal value in respect of China PR on other reasonable basis, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Rules.

32. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for all exporters from China PR is constructed based on facts available, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. The normal value so determined is US\$ ***/ Kg.

Determination of Normal Value for producers and exporters in USA and EU

33. The Authority notes that no questionnaire response has been filed by any producers/exporters from USA and EU in the present investigation. In the absence of cooperation from the producers/exporters from USA and EU, the Authority determined the Normal Value in respect of USA and EU as per facts available. The normal value so determined for USA and EU is US\$ ***/ Kg.

J. EXPORT PRICE

Exporters from China PR

Export price for the responding exporter

M/s. Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd, China PR

34. The Authority notes that except Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd, China PR, no other producers/exporters of the subject goods from China PR has responded to the Authority in the present investigation.
35. The Authority examined whether the export prices in respect of responding exporter could be determined on the basis of questionnaire response filed by the respondent. The respondent has furnished information in Appendix 2 relating to exports to India. The export prices have been allowed as verified during the on-the spot verification of the company. The adjustments on account of overseas freight, inland freight, insurance, clearing charges, packing costs, credit costs, bank charges, & VAT have been accepted as verified during the on-the spot verification of the company. After making the acceptable adjustments, the Authority determined the export price of Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd as US\$ ***/Kg during the POI.

Determination of Export Price in respect of Non-Co-operative Exporters/ Producers

36. The Authority has determined the Export price as per 'facts available' in terms of Rule 6(8) of the AD Rules for non-cooperative exporters from China PR. Accordingly the net export price in respect of the non-cooperating exporters from China PR is determined as US\$ ***/Kg.

Exporters from USA

37. The Authority notes that no response has been filed by producers/exporters of the subject goods from USA in the present investigation.
38. In light of the above position, the Authority has decided to determine Export Price for all the exporters from USA as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. The Authority has considered DGCI & S import data for this purpose. Adjustments on account of ocean freight, insurance, commission, port expenses, inland freight and bank charges, as per the available facts, have been considered to arrive at the net export price. Accordingly, the export price at ex-factory level is determined as US\$ ***/Kg in case of USA.

Exporters from EU

39. The Authority notes that no response has been filed by producers/exporters of the subject goods from EU in the present investigation.
40. In light of the above position, the Authority has decided to determine Export Price for all the exporters from EU as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. The Authority has considered DGCI & S

import data for this purpose. Adjustments on account of ocean freight, insurance, commission, port expenses, inland freight and bank charges, as per the available facts, have been considered to arrive at the net export price. Accordingly, the export price at ex-factory level is determined as US\$ US\$ ***Kg in case of EU.

K. DUMPING MARGIN

41. Considering the Normal values and Export prices as determined above, the dumping margins during POI and post-POI are determined as follows:

POI

Sl.N o.	Exporter/Producer	Country	Normal Value - US\$/Kg	Export price - US\$/Kg	Dumping Margin - US\$/Kg	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
1	Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd (Producer & Exporter)	China PR	***	***	***	***	10-20
2	All other Producers/Exporters	China PR	***	***	***	***	20-30
3	All Producers/Exporters	USA	***	***	(***)	(***)	(-5-15)
4	All Producers/Exporters	EU	***	***	(***)	(***)	(-5-15)

Post-POI

Sl.N o.	Exporter/Producer	Country	Normal Value - US\$/Kg	Export price - US\$/Kg	Dumping Margin - US\$/Kg	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
1	Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd (Producer & Exporter)	China PR	***	***	***	***	15-25
2	All other Producers/Exporters	China PR	***	***	***	***	20-30
3	All Producers/Exporters	USA	***	***	(***)	(***)	(-0-10)
4	All Producers/Exporters	EU	***	***	***	***	10-20

Post disclosure, the Authority reviewed the computation of post-POI dumping margin in respect of Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd, China PR (Producer & Exporter) and reworked the net export price as well as dumping margin

after making necessary adjustments for VAT refund. The Authority notes that the dumping margin in respect of Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd, China PR (Producer & Exporter) and all other Chinese exporters during the POI is not only positive but also significant during POI. It is further noted that the dumping margin in respect of Chinese exporters including Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd, China PR has further increased during post POI. The Authority, therefore, holds that the dumping of subject goods from China PR continued despite the imposition of anti-dumping duty. Although no exporter from either EU or USA have filed exporters questionnaire response in the present investigation, the dumping margin in respect of both EU and USA is negative during the POI. During the post-POI, while the dumping margin in respect of EU is positive and substantial, the same in respect of USA is negative.

L. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties

42. The following are the injury related submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties:

- i. Reliance of domestic industry on DGCI&S published data for determining DEG prices have led to significant difference in DEG price considered by NOCIL and domestic industry leading to further differences in injury margins claimed. The IBIS transaction wise data is most appropriate in determining the correct prices of DEG as opposed to DGCI&S transaction wise data.
- ii. The situation prevailing now does not justify continuation of anti dumping duty as import prices from subject countries have increased significantly leading to “no injury”. Even the export price of the domestic industry has increased.
- iii. Landed price of imports are evidently above non injurious price leading to negative injury margin calling for revocation of duties in the present case.
- iv. Selling price of the domestic industry is significantly higher than non injurious price showing no need for continued protection of anti dumping duties.
- v. Change in injury margin requires review as the PUC is attracting fixed quantum of ADD.
- vi. If change in certain parameters can be shown which is different i.e. has shown positive betterment from the original investigation, a midterm review investigation ought to be considered and thereafter, either a reduction in quantum of duty or withdrawal of duty be recommended by the Designated Authority.
- vii. Analysis of various parameters in the submission filed by domestic industry clearly shows that there is no injury to the domestic industry. Table below summarizes the factual position of domestic industry which inter alia shows the following;
 - a) The domestic industry has enhanced capacity to almost 150% over the period.
 - b) There is a continuous increase in production over the injury period.
 - c) The capacity utilization of the domestic industry has increased significantly.
 - d) Sales of the domestic industry have increased significantly. Increase in sales is more than increase in demand.
 - e) Profitability of domestic industry has increased significantly. The profitability of the domestic industry has increased by more than 100% since the base year.
 - f) Profitability of domestic industry has increased significantly. The profitability of the domestic industry has increased by more than 100% since the base year.
 - g) Domestic industry has captured significant market share. Market share of the domestic industry has increased and that of subject countries and other countries have declined.
 - h) Productivity of domestic industry increased significantly with the increase in production.
 - i) Return on investment has also improved significantly over the injury period.
 - j) Cash flow has increased to a great extent over the period.
 - k) There is no decline in employment. Employment increased. Hence, no Injury can be claimed on this account.
- viii. It will be evident that the injury margin in the present review investigation would be in the negative which would occasion the recommendation for withdrawal of the anti dumping duty. Irrespective of the dumping margin, upon the injury margin being negative and given India's position of following the lesser of the two

margins, the present review investigation should warrant the recommendation of withdrawal of the anti dumping duty imposed previously.

Submissions made by the domestic industry

43. The following are the injury related submissions made by the domestic industry:

- i. The ground based on which the present MTR were initiated does not show the need for withdrawal of existing anti dumping duties.
- ii. Significant increase in import price of the subject goods from the subject countries is meaningless in the present case since there is positive undercutting and underselling without taking applicable anti-dumping duties into consideration which itself suggest the need for continuation of existing anti dumping duties.
- iii. Exports being made by domestic industry at significantly higher prices have no nexus to the performance of the domestic industry in the domestic market as claimed by the petitioner. However, any increase in exports shows that the domestic industry has not been able to increase their prices in domestic market at the level of export price because of the presence of dumped imports in the domestic market that too in significant volume.
- iv. There is no merit in the submission that landed price of imports are above non-injurious price leading to negative injury margin. The relevant information provided by the domestic industry shows significantly positive injury margin.
- v. There is no merit in the submission that selling price of the domestic industry is significantly higher than the non-injurious price. Selling price of the domestic industry has been significantly lower than NIP because of presence of dumped imports in the domestic market that too in significant volumes.
- vi. There is no merit in the submission that change in injury margin requires review as the PUC is attracting fixed quantum of ADD. The changes alleged by the petitioner are neither of lasting nature nor significant and reasonable.
- vii. Since the domestic industry demonstrated that the grounds based on which the present MTR is initiated is nonexistent, then the natural outcome has to be termination of the present investigation by the Authority.
- viii. The burden of proof of establishing the need for withdrawal is on petitioner and they cannot shift the onus on to the domestic industry to prove the contra until and unless they comply with their burden.
- ix. The Authority should adopt import volume and value for the purpose of present MTR investigation based on DGCI&S data which is also has been the practice of the Authority in many investigations.
- x. The level of imports from subject countries during the injury period of original investigation and that of the present MTR remained at comparable levels and the consumers still have large preference for subject goods from subject countries showing no adverse effect of anti dumping duties on the consumers.
- xi. A comparison of price during the base year vis-à-vis POI is irrelevant in the present case as the duties came into force after base year of the injury period in the present investigation.
- xii. There is no basis to the contention that domestic industry has not provided information in the application proforma as the claim has no legal basis. The petitioner has not specified which information has not been provided by the domestic industry in the prescribed format relevant for the present MTR.
- xiii. Any improvement in the present situation of the domestic industry are solely on account of the anti dumping duties which is insufficient to reach out to a conclusion that the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur, if the said antidumping duty is removed or varied and is therefore no longer warranted.
- xiv. The domestic industry has only shown signs of recovery from the material injury suffered due to dumped imports of subject goods into India from subject countries. A complete recovery is yet to be achieved.
- xv. Performance of the domestic industry even though has improved on some parameters however the overall performance is far below than the desired and reasonable levels warranting the continuation of existing anti-dumping duties.
- xvi. There is a direct relation between imports of subject goods into India and performance of the domestic industry. Material injury situation during the original investigation improved as result of anti-dumping duties and there is a causal link between imports from subject countries and performance of the domestic industry which warrants continuation of duties.

- xvii. Likelihood also is that the situation of dumping and material injury situation will aggravate upon revocation or modification of existing duties.
- xviii. In a mid-term review, current performance alone is insufficient to conclude whether the anti-dumping duty can be withdrawn at this stage and that the Authority is required to consider the likely situation when anti-dumping duty is withdrawn. Improvements in performance on account of anti-dumping duties alone are not sufficient to justify discontinuation of existing duties.

Examination by the Authority

44. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

45. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows.

“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”

46. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties. However, the specific submissions made by the interested parties are addressed by the Authority as below:

- i. As regards the differences in Di-Ethylene Glycol (DEG) prices claimed by the petitioner and domestic industry, it is noted that the Authority has determined raw material prices of the domestic industry on actual basis by relying upon the relevant records maintained by the domestic industry that too by conducting necessary verification of purchase and consumption details.
- ii. As regards the contention that import prices from subject countries have increased significantly leading to “no injury”, it is noted that the present final finding are self explanatory on aspects of changes in the import prices from subject countries and consequential effect of the same on performance of the domestic industry.
- iii. As regards the contention that landed price of imports are evidently above non injurious price leading to negative injury margin calling for revocation of duties in the present case, it is noted that the present final finding statement demonstrates the factual position in this respect at the appropriate places which is self explanatory.
- iv. As regards the contention that selling price of the domestic industry is significantly higher than non injurious price showing no need for continued protection of anti-dumping duties, it is noted that the present final finding demonstrates the factual position in this respect at the appropriate places which is self explanatory.
- v. As regards the contention that change in injury margin requires review as the PUC is attracting fixed quantum of ADD, it is noted that the present MTR investigation was initiated based on an application by NOCIL Ltd. which contains several grounds and the present review inter alia covers all such grounds.
- vi. As regards the contention that if change in certain parameters can be shown which is different, a mid-term review investigation ought to be considered, it is noted that the Authority shall review the need for the continued imposition of the duty, where warranted, on their own initiative or, provided that a reasonable

period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty, upon request by any interested party which submits positive information substantiating the need for a review.

- vii. As regards the contention that the grounds based on which the present MTR was initiated does not show the need for withdrawal of existing anti-dumping duties, it is noted that the present investigation was initiated based on a prima facie case which substantiated the need for a review and the outcome of the final finding are based on the facts emerged during the course of the present investigation which is explained at appropriate places in this final finding.
- viii. As regards the contention that significant increase in import price of the subject goods from the subject countries is meaningless in the present case since there is positive undercutting and underselling without taking applicable anti-dumping duties into consideration, it is noted that the present final finding statement demonstrates the factual position in this respect at the appropriate places which is self explanatory.
- ix. As regards the contention that there is no merit in the submission that landed price of imports are above non-injurious price leading to negative injury margin, it is noted that the present final finding demonstrates the factual position in this respect at the appropriate places which is self explanatory.
- x. As regards the contention that there is no merit in the submission that selling price of the domestic industry is significantly higher than the non-injurious price, it is noted that the present final finding demonstrates the factual position in this respect at the appropriate places which is self explanatory.
- xi. As regards the contention that since the domestic industry demonstrated that the grounds based on which the present MTR is initiated is nonexistent, then the natural outcome has to be termination of the present investigation by the Authority, it is noted that the present final finding is self explanatory on this aspect.
- xii. As regards the contention that the burden of proof of establishing the need for withdrawal is on petitioner and they cannot shift the onus on to the domestic industry, it is noted that the present investigation was initiated based on an application filed by NOCIL Ltd. and thereafter all the interested parties including the domestic industry were provided with ample opportunities to provide essential information on dumping and injury so as to enable the Authority to reach out to fair conclusions at the end of the investigation. Hence, the contention is rejected.
- xiii. As regards the contention that the Authority should adopt import volume and value for the purpose of present MTR investigation based on DGCI & S data, it is noted that the Authority has relied upon transaction wise import information as per DGCI & S for the purpose of present investigation.
- xiv. As regards the contention that a comparison of price during the base year vis-à-vis POI is irrelevant in the present case as the duties came into force after base year of the injury period in the present investigation, it is noted that as a matter of practice, performance of the domestic industry during the POI is compared with base year of the injury period.
- xv. As regards the contention that in a mid-term review, current performance alone is insufficient to conclude whether the anti-dumping duty can be withdrawn at this stage and that the Authority is required to consider the likely situation when anti dumping duty is withdrawn, it is noted that the Authority has examined the likelihood aspect also in the present investigation and also post POI information covering 6 months were sought from all interested parties.
- xvi. As regards the submission that the injury margin in the present review investigation would be in the negative and irrespective of the dumping margin the present review investigation should warrant the recommendation of withdrawal of the anti-dumping duty imposed previously, the Authority notes that factual position in this regard is demonstrated at the relevant part in this final finding based on the actual verified information.

M. Cumulative Assessment

47. Attention is invited to Annexure II para (iii) of the AD Rules which provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:

- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the import of like article and

b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

48. In this regard the Authority notes that:

- The dumping margin of China PR is more than the limits prescribed above. While the dumping margin in the case of USA and EU during the POI was negative, during post-POI, the dumping margin in respect of all the subject countries except USA is more than the prescribed limits;
- The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed;
- Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market. This is evident from the following:

- (a) The subject goods manufactured by the producers from the subject countries inter-se and in comparison to the product manufactured by the domestic industry has comparable properties. In other words, the subject goods supplied from various subject countries and by the domestic industry are inter-se like articles.
- (b) There are common parties who are resorting to use of imported material from various sources and domestic material. Imported and domestic materials are, therefore, being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product & imported product and inter-se imported product.
- (c) The exporters from the subject countries and domestic industry have sold the same product in the same periods to the same set of customers. The sales channels are comparable.
- (d) Volume of imports from each of the subject countries is significant.
- (e) Consumers make purchase decision on the basis of prices offered by various suppliers.

49. In view of the above, the Authority considers, it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively.

50. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. Annexure II of the Anti-dumping Rules provides for objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in domestic market for the like articles; and (b) the consequent impact on domestic producers of such products. While examining the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to price effect of dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increase which would have otherwise occurred to a significant degree.

51. As regards the impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure-II of Anti-dumping Rules states as follows: *“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”*

52. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments of the interested parties. For analyzing the injury parameters, all relevant documents including the balance sheet of the

Domestic Industry have been examined and verified by the Authority. The issues relating to the raw material prices of the domestic industry and other issues have also been dealt by the Authority under appropriate headings.

A. Volume Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

a) Demand and market share

53. Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the domestic industry and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below:

(i) Demand

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13	April- Sept-13-Annualised
Demand	MT	***	***	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	108	117	116	127	127
Imports from Subject Countries	MT	3,964	3,834	3,591	3,461	1,844	3,688
Imports from Other Countries	MT	48	-	40	-	-	-
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***	***	***
Sales of other Indian Producers	MT	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

(ii) Market Share in Demand

54. Considering imports from various sources and sales of the Indian Producers, market share of subject imports in demand in India was examined. Factual position is as follows:

55. It is noted that demand for the product has shown consistent increase over the injury period. It is also noted that the

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13	April- Sept-13-Annualised
Imports from Subject Countries	%	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	89.80	77.70	75.36	73.16	73.16
Imports from Other Countries	%	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	0.98	-	0.70	-	-	-
Sales of Domestic Industry	%	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	150.22	199.64	213.78	223.44	223.44
Sales of other Indian Producers	%	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

share of domestic industry has increased whilst the share of dumped imports showed declining trends. It is also

noted that, even though the share of dumped imports showed declining trend, the share of dumped imports in actual terms remained at significant levels during the POI and also the post POI period.

b) Import volume and market share

56. The Authority has relied upon the import information obtained from DGCI&S for the purpose of this final finding. Imports volume from subject countries and other countries and the dumped imports from subject countries in relation to production and sale of the domestic industry, has been as under:-

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13	April- Sept-13- Annualised
Volume							
Subject Countries	MT	3,964	3,834	3,591	3,461	1,844	3,688
Other countries	MT	48	-	40	-	-	-
Total imports	MT	4,012	3,834	3,631	3,461	1,844	3,688
Market Share in Imports							
Subject Countries	%	98.80	100	98.90	100	100	100
Other countries	%	1.20	-	1.10	-	-	-
Imports in relation to Production	%	***	***	***	***	***	***
Imports in relation to Domestic Sales	%	***	***	***	***	***	***

57. It is observed from the above table that imports from subject countries has declined over the base year by the POI even though significant volumes of imports were present in the POI.

B. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

58. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of production (COP), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

i. Price Undercutting

59. The net sales realization was arrived after deducting outward freight and taxes. The Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty including applicable cess to the CIF value of subject imports. The landed value of imports from subject countries was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry as per the table below:

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012- 13 (POI)	April-Sep 13
Landed Value Without ADD	Rs./Kg	101.97	141.19	169.09	168.87	171.92
Net sales Realization	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trends		100	143	162	168	176
Price Undercutting	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Trends		100	246	42	187	293
Price Undercutting	%	***	***	***	***	***
Range	%	0-10	5-15	0-10	0-10	5-15

60. It is observed from the above table that imports are undercutting prices of domestic industry. Even though the landed price increases over the years, they were still well below the prices offered by domestic industry.

Undercutting with ADD

61. The Authority further notes that presently ADD duty ranging from US\$ 0.63 to US\$ 0.81 per kg are in force against the subject countries. The authority has also undertaken an analysis of the undercutting with ADD in force. It is noted that the undercutting with the present ADD is significantly negative for the year 12-13, as well as in the post POI period in respect of all the subject countries, as is reflected by the following table:-

	POI			Post POI		
	China	USA	EU	China	USA	EU
Landed value with ADD (Rs per Kg)	196.49	220.37	209.90	213.89	239.75	205.31
NSR(Rs per Kg)	***	***	***	***	***	***
Undercutting(Rs per Kg)	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)
Undercutting %	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)	(***)
Range of %	(-5-15)	(-20-30)	(-10-20)	(-10-20)	(-20-30)	(-5-15)

ii. **Price Underselling**

62. Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules. The analysis shows that the landed value of subject imports was below the non-injurious price as can be seen from the table below.

Particulars	Unit	China PR	USA	EU	Subject Countries
POI					
Non-injurious price	Rs/KG	***	***	***	***
Landed price (POI)	Rs/KG	161.98	184.99	172.65	168.87
Price underselling	Rs/KG	***	***	***	***
Underselling	%	***	***	***	***
Underselling	% Range	5-15	(0-10)	(0-10)	(1-10)

Post POI					
Non-injurious price	Rs/KG	***	***	***	***
Landed price (POI)	Rs/KG	175.21	191.85	165.31	171.92
Price underselling	Rs/KG	***	(***)	***	***
Underselling	%	***	(***)	***	***
Underselling	% Range	10-15	(0-10)	15-25	10-15

Price suppression/depression

63. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13
Cost of production	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	149	154	157	173
Selling Price	Rs./Kg	***	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	141	159	165	172
Landed Value	Rs./Kg	101.97	141.19	169.09	168.87	171.92

64. It can be seen from the above table that the cost of production and also selling price has increased by the POI and similar trends are visible during the post POI period also. It is noted that the cost of production of Domestic Industry, NSR and the landed value has generally followed similar trends in the POI and Post POI period.

N. Economic parameters of the domestic industry

(a) Capacity & capacity utilization

65. Capacity and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the following table:-

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13	April- Sept-13- Annualised
Capacity MT	MT	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	150	150	150	150	150
Capacity utilization	%	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	91	106	112	114	114

66. It is observed that capacity and capacity utilization of the domestic industry increased over the injury period. Domestic industry has shown improvements in the injury period and the POI.

(b) Production

67. Production data of the domestic industry is given in the following table:-

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13	April- Sept-13- Annualised
Production	MT	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	137	159	169	172	172
Demand	MT	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	117	116	127	127

68. It is observed that production of the domestic industry has increased over the injury period.

Sales volume

69. Sales volume of the domestic industry is given in the following table:

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13	April- Sept- 13-Annualised
Domestic sales	MT	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	162	233	248	284	284
Demand	MT	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	117	116	127	127
Market Share of domestic industry in Demand	%	***	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	150	200	214	223	223

70. It is observed from the above table that sales of the domestic industry have showed increasing trend and similar trends continued during the post POI period as well.

(c) Profit/Loss

71. The profitability of the domestic industry is given in the following table;

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13
Profits	Rs./Kg	***	(***)	***	***	***
Trend	Indexed	100	-313	490	625	134
Cash Profit	Rs./Kg	***	(***)	***	***	***
Trend	Indexed	100	(40)	242	282	110
ROCE	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	8	372	528	324

72. It

is

seen from the above table that profitability of the domestic industry showed some improvements over the injury period and during the POI. Similar trends were visible in the return on capital employed situation. However, notably, the profitability and ROCE situation of the domestic industry showed deteriorating trends during the post POI period.

(d) Cash Flow

73. Authority has examined the trends in cash profits in order to examine the impact of dumping on cash flow situation of the domestic industry. Information regarding cash profit of the domestic industry is given in the following table.

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13
Cash profits	Rs./KG	***	(***)	***	***	***
Trend	Indexed	100	-40	242	281	110

74. It can be seen from the above table that the cash profits of the domestic industry increased over the injury period till the POI. The profitability of the domestic industry, however, declined during the post POI period.

(e) Inventories

75. Inventories with the domestic industry moved as follows;

	Units	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13
Average Stock	MT	100	190	160	206	288
Stock as no. of days sale	Days	***	***	***	***	***

76. It is noted that inventories with the domestic industry increased in the POI as compared to the base year and inventory level further increased in the post POI period as well. Inventory levels shows significant adverse effects and volume pressure on the domestic industry. There is significant increase in stock as number of days sale also.

(f) Productivity

77. Authority notes that productivity of the domestic industry shows same trend as that of production. It can be further seen that productivity per employee and productivity per day has showed consistent improvements. Thus, any adverse impacts of continued imports from subject countries are not visible on these parameters.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13
Productivity per employee	MT/Nos.	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	127	148	157	159
Productivity per day	MT/day	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	137	159	169	172

(g) Employment and Wages

78. It is seen from the table below that the employment level remained stagnant throughout the injury period. Overall wages per kg, also showed increases in line with the increases in wages.

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13
Employment	Nos.	***	***	***	***	***
	Indexed	100	108	108	108	108
Wages	Rs/Kg	***	***	***	***	***
	Indexed	100	116	144	157	157

(h) Magnitude of Dumping

79. It is observed from the section pertaining to Dumping Margin above that dumping margins in respect of the imports of the subject goods from the subject countries are significantly positive in both in POI and Post POI period.

(i) Growth

80. The Authority notes that the growth of domestic industry during the injury period including the POI and post POI period has been as follows:

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April-Sep 13
Profit/Loss Per Unit	%	-	(413.44)	256.18	25.43	(79.84)
Inventory (Average Stock)	%	-	89.77	(15.58)	28.35	39.96
Cash Profit Per Unit	%	-	(140.03)	696.30	16.26	(61.45)
Imports from Subject Countries	%	-	(3.27)	(6.34)	(3.63)	6.57
ROI	%	-	(1.96)	7.97	3.97	(4.69)

81. It is noted that the domestic industry showed growths in terms of various volume and price parameters till the POI, however, the situation has changed in terms core parameters during the post POI period. Especially, the profitability of the domestic industry showed negative growth during the post POI period which has been improving till the POI. Also, imports from subject countries have increased in the post POI period.

Ability to raise capital investment

82. It is noted that the domestic industry has enhanced its Capacity of the subject goods during 2010-11. However, there were no further additions in the capacity thereafter.

O. Magnitude of Injury and Injury Margin

83. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during POI and Post POI. The injury margin thus determined is as under:

Country	Producer/exporter	NIP of DI (Rs/Kg)	Landed price (Rs/Kg)	Injury margin	Injury margin %	Injury margin Range
POI						
China PR	Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd (Producer & Exporter)	***	***	***	***	0-10
China PR	All other producers/exporters	***	***	***	***	5-15
EU	All producers/exporters	***	***	(***)	(***)	(-0-10)
USA	All producers/exporters	***	***	(***)	(***)	(-0-10)

Post POI						
China PR	Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd (Producer & Exporter)	***	***	***	***	5-15
China PR	All other producers/exporters	***	***	***	***	10-20
EU	All producers/exporters	***	***	***	***	10-20
USA	All producers/exporters	***	***	(***)	(***)	(-0-10)

P. Conclusion on material Injury

84. It is noted that during POI the performance of the domestic industry has improved in terms of production, sales volumes, market share, capacity, profit, cash profit and return on capital employed. However, in the post-POI, the performance of the domestic industry in terms of profitability, return on capital employed, cash profit, inventory position etc deteriorated, even though the economic health of the domestic industry in terms of production, sales volumes, capacity, capacity utilization and market share continued to show signs of improvement. However, during the POI as well as post-POI, the price undercutting effect from China PR and EU remained positive.

Q. Causal Link And Other Factors

85. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

(a) Volume and prices of imports from third countries

86. The Authority notes that during POI, imports of the subject goods from countries other than the subject countries have been insignificant in volume. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

87. The Authority notes that the subject goods are freely importable. The domestic industry is the sole producer of the subject goods and account for 100% domestic production and sales. Domestically produced subject goods are competing with that imported from subject countries at dumped prices.

(b) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

88. The Authority notes that there is no contraction in the demand during injury period. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period. The Authority further notes that the domestic industry has expanded its capacity during the POI.

(c) Development in Technology

89. The Authority notes that none of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.

(d) Export performance of Domestic Industry;

90. The table below summarizes the performance of the domestic industry in respect of exports made by them;

Particulars	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	April- Sept-13	April- Sept-13- Annualised
Volume in MT	***	***	***	***	***	***
Indexed	100	136	98	58	35	35

91. The Authority notes that the export volumes of the domestic industry have declined during the POI vis-à-vis the base year as well as the immediate preceding year. However, the price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of present injury assessment.

(e) Productivity of the Domestic Industry

92. Productivity of the domestic industry increased consistently.
93. The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports. It is noted that during POI the performance of the domestic industry has improved in terms of production, sales volumes, market share, capacity, profit, cash profit and return on capital employed, but deteriorated in terms of capacity utilization and inventory. However during post POI, period the overall economic health of the domestic industry in terms of production, sales volumes, capacity, capacity utilization, inventory, market share, profit, cash profit and return on capital employed deteriorated. Thus, the deterioration during post POI period in profits, return on capital employed, cash flow, etc. is directly due to dumped imports.

R. Likelihood of continuation or recurrence of injury

94. The Authority has to determine as to whether the subject goods are continuing to enter the Indian market at dumped prices or are likely to be exported at dumped prices from the subject countries in the event of withdrawal of anti dumping duties. It is pertinent to examine whether injury to the domestic industry is likely to recur due to these dumped imports if the duty is removed or varied. It has already been established that the landed value of imports from the subject countries to India was below the selling price of the domestic industry during POI and post POI and the non injurious price in post POI determined for the domestic industry. The Authority has also examined the likelihood of recurrence of injury to the domestic industry on the basis of information and evidence presented by the various interested parties during the course of the investigations. The Authority examined the likelihood of continuation or recurrence dumping and injury considering the parameters relating to the threat of material injury in terms of Annexure II (vii) of the Rules, which states as under:

“A determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances, which would create a situation in which the dumping would cause injury, must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the Designated Authority shall consider, inter alia, such factors and;

a. a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation.

b. Sufficient freely disposable or an imminent, substantial increase in capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian market, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports.

c. Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely to increase demand for further imports and,

d. Inventories of the article being investigated”.

95. Following submission are made by petitioner and other interested parties

- i. The present mid-term review is initiated at the instance of the petitioner who is the major importer of the product under consideration. The principal ground for review is negative injury margin in the present period. Thus, there is neither a legal obligation for the exporters to respond in the present investigation, nor the same is necessary to establish that the injury margin is negative.
- ii. The domestic industry seems to give contrary statement. On one hand the domestic industry says that its performance has improved due to anti-dumping duty, and on the other hand it contends that it is suffering injury.
- iii. Since the domestic industry has not provided any information on likelihood of injury, it follows that the Designated Authority cannot determine likelihood of recurrence of injury in the event of withdrawal of anti-dumping duty.

96. The following are the submission in this regard made by the domestic industry:

- i. Without prejudice, absence of continued dumping and injury in review period does not imply no likelihood of recurrence of dumping and injury in the event of withdrawal of anti-dumping duties.
- ii. The fact that price under cutting and injury margin remained significantly positive during the POI of the present MTR suggest the obviousness of likelihood of injury in the event of revocation or modification of existing duties.
- iii. It is very logical to ascertain that when there is current injury, likely injury is imminent and the question of likely injury is irrelevant.
- iv. Major exporters who have participated in the original investigation abstained in the present investigation restricting the Authority from accessing crucial information with regard to exports including to third countries and capacities by such producers concerning subject goods.
- v. It is not demonstrated either by the petitioner or by the exporters that there would not be routing of increased volume of subject goods into India at dumped prices in the event of revocation of duties by the Authority.
- vi. Subject countries hold a significant market share in the Indian Market as the level import even after the imposition of duties remained at very significant levels.
- vii. Performance of the domestic industry has only improved but the reasonable level is not achieved.
- viii. Exporters/producers have significant export oriented capacities which will be directed to India at even lower prices in the event of revocation of existing duties.
- ix. Parameters such as profitability and ROI are far below than desired levels and the present profitability and ROI do not portray any significant change in circumstances with regard to injury to be of a lasting and reasonable nature.
- x. In light of the failure of the petitioner to provide any positive evidence to suggest no likelihood, the balance of convenience is to ascertain based on facts submitted by the domestic industry that there is likelihood of injury and dumping in the in event of revocation or modification of present duties. Duty needs to be continued.

Examination by the Authority

97. Rule 23 of Anti-dumping Rules of India requires the Authority to examine the need for continued imposition of the duty from time to time. The domestic industry submitted that the petitioner in the present investigation has not provided any relevant information to examine the likelihood aspects. However, the Authority is of the view that such an examination would also involve an examination of the lasting nature of the changed circumstances and the

likelihood scenario in the event of withdrawal of the duty. In order to determine whether the changed circumstances of dumping is of lasting nature and whether injury to the domestic industry would continue or recur in the future if the duties are removed, the Authority has examined the submissions made by the interested parties. The Authority had called for information from DGCIS with regard to imports into India for the period of investigation, as well as subsequent period immediately following the period of investigation. In this regard, the Authority notes as under:

i. Volume of Exports Post- POI:

98. In order to examine, the likelihood of injury to the domestic industry due to dumping of the subject goods from the subject countries, the Authority has undertaken analysis of the volume of exports of the subject goods to India and other countries from the subject countries during the post-POI period as well. The Authority notes that the volume of the exports from subject countries to India during the POI and post POI on the basis of DGCI&S data was 3461 MT and 3688 MT (Annualized) respectively, showing marginal growth.
99. The Authority notes that in the case of China PR, both dumping margin as well as injury margin during POI and post-POI are positive. As regards EU, whereas the dumping margin and injury margin are negative during the POI, but during post-POI, the same are positive, signifying likelihood of dumping and injury to the domestic industry in the event of revocation of the anti-dumping duty. In the case of USA, the Authority notes that both during POI as well as post-POI, the dumping margin as well as injury margin have been found to be negative, signifying absence of likelihood of dumping and injury to the domestic industry on account of imports of the subject goods from USA.

ii. Market share of Subject Countries in the Indian market

100. The Authority notes that the market share of the subject countries declined during POI as compared to the base year, but in post POI the same continued to be more or less at the same level. On the contrary, the market share of the domestic industry has increased during the corresponding period.

iii. Export orientation of foreign producers

101. From the available information it is evident that the producers/exporters from subject countries have substantial production capacity and are very much export oriented. Considering the increase in demand for the subject goods in Indian Market and its lucrative price, if the anti-dumping duties are revoked, the entire demand in India can be catered by the producers/exporter from subject countries.

iv. Level of current and past dumping margin

102. Considering the dumping margin determined by the Authority in the previous investigation and the dumping margin now assessed, it is quite evident that the exports from the subject countries, except USA, were continued to be made at dumped prices and is likely to continue with revocation of anti dumping duties. The volume of imports from the subject countries, except USA, has increased even after imposition of anti-dumping duties. Further, the volume of imports is likely to increase further in the event of revocation of anti dumping duties, given the significant price undercutting and underselling during the injury period.
103. As far as continuation or recurrence of injury to the domestic industry is concerned the price levels at which the goods are entering Indian market from the subject country, in spite of the duty in force, is an important indicator. The Authority also notes that in spite of improvement in the condition of the domestic industry in several injury parameters during POI, during post POI, especially during Q2 period the overall economic health of the domestic industry in terms of production, sales volumes, capacity, capacity utilization, inventory, market share, profit, cash profit and return on capital employed deteriorated. Thus, the deterioration during post POI, especially during Q2 period in profits, return on capital employed, cash flow etc. is due to dumped imports.
104. The essential facts of the investigation, as analysed by the Authority in this final finding, sufficiently establish that the changed circumstances, on the basis of which applicant has sought for the mid-term review, are not of lasting nature and there is a likelihood of continuation/recurrence of dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, and consequent injury to the domestic industry, in the event of reduction/revocation of the anti-dumping duty.

S. Post-Disclosure Comments

105. The following post-disclosure comments/submissions have been made by the petitioner:

- i. The disclosure statement establishes that the injury margin is negative. Therefore, anti-dumping duty is required to be withdrawn.
- ii. Since petitioner's data is based on customs data, there is a possibility of inclusion of some import transactions with abnormally low prices. These are required to be excluded.
- iii. NIP determined is too high as compared to petitioner's assessment.
- iv. Designated Authority should reduce the element of customs duty, freight in India, international freight, port charges, etc while determining normal value.

106. The following post-disclosure comments/submissions have been made by the domestic industry:

- i. The dumping margin in case of China PR has been positive during the POI as well as post POI period. The domestic industry continued to suffer injury, as emerged from the post POI performance, thus, the anti dumping duties imposed on China PR are liable to be continued.
- ii. The dumping margin from EU has been negative in the POI however, the same has been positive in the post POI period. The domestic industry continued to suffer injury, as emerged from the post POI performance, thus, the anti dumping duties imposed on EU are liable to be continued.
- iii. Although the dumping margin from USA has been negative in the POI as well as during the post POI period, the import price from USA are orchestrated and kept at higher levels to show a fake changed circumstance to justify an MTR. The domestic industry continued to suffer injury, thus, the anti dumping duties imposed on USA are liable to be continued.
- iv. The exporters from USA abstained from cooperating with the Authority in the present MTR. In the absence of relevant information to determine likelihood as a result of non cooperation by the exporters, the Authority instead of determining no likelihood of dumping and injury from USA, the balance of convenience should be to hold that there is likelihood of dumping and injury from USA in the event of withdrawal of duties and the existing duties should be allowed to continue.
- v. Price undercutting and price underselling from subject countries during the POI and post POI period are positive without ADD. Thus, the existing anti dumping duties should not be withdrawn.
- vi. Since the performance of the domestic industry deteriorated during the post POI period, injury to the domestic industry is likely to continue or recur if the duties are revoked. Therefore, the question of revocation of anti dumping duties does not arise.

Examination by the Authority

107. The Authority notes that no post disclosure comment has been made by the Chinese producer/exporter. The Authority further notes that the post disclosure comments made by the petitioner and the domestic industry are mostly reiteration of their earlier submissions. Nevertheless, the post disclosure comments considered relevant are examined and addressed below:

- i. As regards the contention of the petitioner that NIP determined is too high, the Authority notes that the NIP has been determined as per Annexure III of the Anti-dumping Rules.
- ii. As regards the contention of the petitioner that import transactions with abnormally low prices are required to be excluded, the Authority notes that all valid export transactions made by the exporter during the POI are taken in to account while determining export price.
- iii. As regards the contention of the petitioner that the elements of customs duty, freight in India, international freight, port charges, etc should be excluded while determining normal value, the Authority notes that the constructed normal value (CNV) has been determined for China PR in terms of the laid down rules and practice.

- iv. As regards the contention of the domestic industry that due to absence of response from the producers/exporters of USA, the balance of convenience should be to hold that there is likelihood of dumping and injury from USA in the event of withdrawal of duties and the existing duties should be allowed to continue, the Authority notes that despite absence of response from USA the relied upon data shows that the dumping margin and injury margin from USA during POI and post POI is negative.

T. CONCLUSIONS

108. Having initiated and conducted the review as requested by M/s NOCIL Ltd and having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submissions made by the interested parties or otherwise as recorded in this finding and on the basis of the analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i. In spite of the anti-dumping duty in force, the dumping of subject goods continued from China PR, injuring the domestic industry.
- ii. Although during the POI, dumping effect from European Union (EU) was negative; during post-POI, dumping from EU recurred, causing injury to the domestic industry.
- iii. Both during POI as well as post-POI, imports of subject goods from USA have no dumping or injury effect on the domestic industry.
- iv. While, dumping of subject goods having injurious effect on the domestic industry continued from China PR, the dumping from EU is likely to recur in the event of revocation of the duties.
- v. The dumping margin and injury margin determined by the Authority in respect of Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd, China PR (Producer & Exporter) in particular and the exporters from China PR and EU in general have increased significantly during the post-POI as compared to the POI.
- vi. The changed circumstances, on the basis of which the petitioner has sought for the mid-term review, are not of lasting nature and there is a likelihood of continuation/recurrence of dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries except USA, and consequent injury to the domestic industry, in the event of revocation of the anti-dumping duties.

U. Recommendations

109. Having concluded that changed circumstances, on the basis of which the petitioner has sought for the mid-term review, are not of lasting nature and there is a likelihood of continuation/recurrence of dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries except USA, and consequent injury to the domestic industry, in the event of revocation of the anti-dumping duties, the Authority holds that the measure is required to be extended in respect of imports of the subject goods from the subject countries except USA. Further, in view of continued dumping from China PR during POI and post POI and likelihood of recurrence of dumping from European Union during post POI and consequent intensified injury to the domestic industry, the Authority recommends continuation of the existing anti-dumping duties in respect of all the exporters from China PR and European Union.

110. The Authority had earlier recommended imposition of definitive antidumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries vide Final Findings Notification No. 14/41/2010-DGAD dated 5th December, 2011 and duties were imposed by the Central Government vide Notification No. 10/2012-Customs dated 24th January, 2012. In view of the above position, the Authority considers it necessary to recommend revocation of the anti-dumping duty in respect of imports of the subject goods, originating in or exported from USA and continuation of the anti-dumping duties at the level at which imposed earlier on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR and European Union.

111. Accordingly, the anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col. 8 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR and European Union.

Duty Table

Sl. No	Tariff item	Description of goods	Country of origin	Country of exports	Producer	Exporter	Amount	Unit of measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	29333917	Morpholine	China PR	China PR	M/s Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	M/s Anhui Haoyuan Chemical Group Co. Ltd	0.29	KG	US Dollar
2	29333917	Morpholine	China PR	China PR	Any other than combination at Sr. No.1		0.63	KG	US Dollar
3	29333917	Morpholine	Any country other than the subject countries	China PR	Any	Any	0.63	KG	US Dollar
4	29333917	Morpholine	China PR	Any country other than the subject countries	Any	Any	0.63	KG	US dollar
5	29333917	Morpholine	European Union	European Union	Any	Any	0.68	KG	US Dollar
6.	29333917	Morpholine	Any country other than the subject countries	European Union	Any	Any	0.68	KG	US Dollar
7.	29333917	Morpholine	European Union	Any country other than the subject countries	Any	Any	0.68	KG	US Dollar

V. Further Procedures

112. An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975.

J.K. DADOO, Designated Authority